www.tamsasanket.com
वर्षः 29 || अंक 62 || अम्बेडकरनगर
शनिवार
23 मई 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः 2 ₹
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
https://epaper.tamsasanket.com

दैनिक तमसा संकेत

अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित
डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 05:16
सूर्यास्तः 06:51
अधिकतमः 43°00
न्यूनतमः 29°00

पेज 07

विशेष समाचार
तपती धरती, झुलसता जीवन... >> पेज 04
मैहर देवी जा रहे पिता और दो ... >> पेज 06
ऐश्वर्या को आलिया ने नहीं ...

पुलिस ने हिरासत में लिया, पहचान छिपाने कपड़े बदलवाए 10 दिन से फरार चल रहा था

कोर्ट में सरेंडर करने पहुंचा ट्विशा का पति समर्थ सिंह

कार्रवाई

तमसा संकेत, एजेंसी

भोपाल/जबलपुर। एक्ट्रेस-मॉडल ट्विशा शर्मा की संदिग्ध मौत के केस में पति समर्थ सिंह शुक्रवार को जबलपुर जिला कोर्ट में सरेंडर करने पहुंचा। यहां भोपाल पुलिस ने उसे अरेस्ट कर लिया।

इस दौरान मीडिया ने उससे बातचीत करने की कोशिश की, लेकिन वह पूरी तरह चुप्पी साधे रहा। कोर्ट परिसर में करीब एक घंटे तक गहमागहमी की स्थिति बनी रही।

समर्थ को पुलिस अपने साथ लेकर भोपाल के लिए रवाना हो गई है। समर्थ की पहचान छुपाने के लिए जबलपुर जिला कोर्ट परिसर में उसके कपड़े बदलवाए गए।

>> (शेष पेज 06 पर)

दोबारा पोस्टमॉर्टम कराने के आदेश

मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने ट्विशा शर्मा की डेडबॉडी का दोबारा पोस्टमॉर्टम कराने के आदेश दिए हैं। कोर्ट ने कहा है कि दिल्ली AIIMS के डायरेक्टर के नेतृत्व में टीम भोपाल AIIMS में पोस्टमॉर्टम करेगी। पूरी प्रक्रिया की वीडियोग्राफी भी कराई जाएगी। तब तक पुलिस को शव सुरक्षित रखने के निर्देश दिए गए हैं। इधर, मध्य प्रदेश सरकार ने मामले की CBI जांच के लिए केंद्र सरकार को पत्र लिखा है। जांच की सहमति दी है। 20 मई को ट्विशा के पिता नवनिधि शर्मा रिटायर्ड सैनिकों के साथ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मिलने पहुंचे थे, तब मुख्यमंत्री ने जांच का आश्वासन दिया था।

डेडबॉडी का दोबारा पोस्टमॉर्टम करेगी दिल्ली एम्स की टीम

अग्रिम जमानत की याचिका वापस ली

12 मई को ट्विशा की मौत के बाद से ही उसका पति समर्थ सिंह फरार चल रहा था। आज सुबह उसके वकील ने अग्रिम जमानत की उसकी याचिका वापस ले ली थी। तभी से कयास लगाया जा रहा था कि वह सरेंडर कर सकता है। ट्विशा के मायके वालों ने उसके पति और उसकी सास पर उनकी बेटी की हत्या करने का आरोप लगाया। पुलिस ने समर्थ को पकड़ने में मदद करने वाले को पहले 10 हजार रुपए इनाम देने की घोषणा की थी। बाद में इनाम की राशि बढ़ाकर 30 हजार रुपए कर दी गई।

प्रशांत सिंह, एडवोकेट जनरल

एडवोकेट जनरल बोले- हाईकोर्ट के सामने तीन प्रकार के मामले पेश किए गए।

> -80 डिग्री में बॉडी तब रखी जाती है, जब उसमें फ्लूड (खून) मौजूद हो। जबकि पोस्टमार्टम के बाद बॉडी से पूरा खून निकल जाता है। भोपाल पुलिस का रवैया शुरू से ही उदासीन रहा है।
>
> नवनिधि शर्मा
> ट्विशा के पिता

दिसंबर 2025 में हुई थी दोनों की शादी

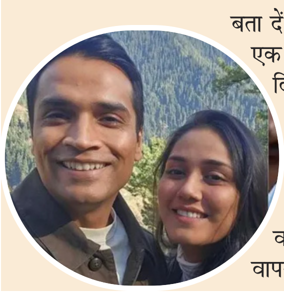

बता दें कि नोएडा की रहने वाली ट्विशा शर्मा 2024 में एक डेटिंग ऐप के जरिए समर्थ सिंह से मिली थी। दिसंबर 2025 में दोनों ने शादी कर ली। शादी के बाद ट्विशा भोपाल अपने ससुराल चली गई और बाघ मुगालिया एक्सटेंशन कटारा हिल्स इलाके में अपने पति और उसके परिवार के साथ उनके घर पर रहने लगी। ट्विशा के रिश्तेदारों का दावा है कि वह अपने ससुराल में खुश नहीं थी और नोएडा वापस लौटना चाहती थी। >> (शेष पेज 06 पर)

ट्विशा शर्मा मौत केस की टाइमलाइन

12 मई
रात में ट्विशा शर्मा का शव घर में फांसी पर लटका मिला।

13 मई
सुबह एम्स भोपाल में पोस्टमॉर्टम किया गया। देर रात परिजनों ने कटारा थाने में हंगामा किया।

14 मई
दोपहर में परिजन पुलिस कमिश्नर कार्यालय पहुंचे और विरोध प्रदर्शन किया।
देर रात पुलिस ने रिटायर्ड जज गिरीबाला सिंह और उनके बेटे समर्थ के खिलाफ एफआईआर दर्ज की।

15 मई
गिरीबाला सिंह ने अग्रिम जमानत के लिए आवेदन दिया।
शाम करीब 7 बजे कोर्ट ने जमानत मंजूर की। परिजनों ने पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट मानने से इनकार किया।

16 मई
परिजनों ने जांच दिल्ली पुलिस को सौंपने की मांग उठाई।

17 मई
परिजनों ने सीएम हाउस के बाहर धरना दिया। शव देर रात तक एम्स की मॉर्च्यूरी में रखा रहा।

18 मई
भोपाल कोर्ट ने समर्थ की अग्रिम जमानत खारिज की।
परिजनों ने गिरीबाला सिंह को कंज्यूमर फोरम से हटाने राज्यपाल को पत्र लिखा।

20 मई
जबलपुर हाईकोर्ट ने समर्थ के खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया।
मध्य प्रदेश सरकार ने सीबीआई जांच के लिए केंद्र को पत्र लिखने की तैयारी की।
राष्ट्रीय महिला आयोग ने स्वतः संज्ञान लिया। डीजी से एटीआर रिपोर्ट मांगी गई।

जनता 2027 में देगी जवाब : अखिलेश यादव

लखनऊ। अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि केंद्र और प्रदेश में भाजपा सरकार के दो कार्यकाल बिना किसी बड़ी उपलब्धि के समाप्ति की ओर हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने भ्रष्टाचार के नए रिकॉर्ड बनाए हैं और किसानों, नौजवानों तथा आम जनता के हितों की लगातार अनदेखी की जा रही है। शुक्रवार को समाजवादी पार्टी के प्रदेश मुख्यालय, लखनऊ में विभिन्न जिलों से आए कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश में किसानों की फसलों की लूट हो रही है और नौजवानों के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि महिलाओं की स्थिति भी भाजपा शासन में उपेक्षित और अपमानजनक बनी हुई है। उन्होंने शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि प्रदेश में लगभग 70 हजार प्राइमरी स्कूल बंद कर दिए गए हैं ।

दुनिया के सबसे गर्म 22 शहरों में सभी भारत के

इनमें यूपी के 13 शहर, रात में भी गर्म हवाएं चलीं

चेतावनी

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली/ भोपाल/ जयपुर/ लखनऊ । देश को अगले 3 दिन तक गर्मी से राहत के आसार नहीं हैं। AQI वेदर के मुताबिक शुक्रवार दोपहर 3 बजे दुनिया के 22 सबसे गर्म शहरों में पारा 47°C से ज्यादा रिकॉर्ड किया गया। यह सभी शहर भारत के हैं। इनमें 13 शहर उत्तर प्रदेश के हैं। ओडिशा का बोलांगीर और बिहार का सासाराम सबसे ज्यादा गर्म रहा।

बिहार के पटना और गयाजी में गर्मी के कारण 22 से 26 मई तक 5वीं तक के स्कूल बंद किए गए हैं। मधेपुरा और सहरसा में गुरुवार को बिजली गिरने से 3 लोगों की मौत हो गई। पंजाब सरकार ने सरकारी दफ्तरों और स्कूलों का समय बदल दिया है। अब दफ्तर और स्कूल सुबह साढ़े 7 बजे खुलेंगे और दोपहर 1.30 बजे बंद होंगे।

>> (शेष पेज 06 पर)

- भारतीय मौसम विभाग के मुताबिक देश के 35 शहरों में गुरुवार को रात का पारा 30 डिग्री सेल्सियस से ऊपर रहा

भारत का तीसरा सबसे बड़ा तेल सप्लायर बना वेनेजुएला

सऊदी- यूएस पीछे छूटे, होर्मुज बंद होने के बाद भारतीय कंपनियों ने खरीद बढ़ाई

सप्लाई

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली । होर्मुज स्ट्रेट बंद होने के बाद वैश्विक तेल बाजार में उथल-पुथल मच गई है। ऐसे वक्त में जब मिडिल ईस्ट के देशों की तेल सप्लाई पर असर पड़ा, तब वेनेजुएला अचानक भारत का तीसरा सबसे बड़ा कच्चा तेल सप्लायर बनकर उभरा है। एनर्जी ट्रैक करने वाली एजेंसी केप्लर के डेटा के मुताबिक, वेनेजुएला ने मई 2026 में सऊदी अरब और अमेरिका दोनों को पीछे छोड़ दिया है।

>> (शेष पेज 06 पर)

अमेरिका ने जनवरी में वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को पकड़ने के बाद वहां के तेल निर्यात पर कुछ ढील दी थी। उसी के बाद अप्रैल से भारत में फिर से वेनेजुएला का तेल आना शुरू हुआ।

9 महीने बाद भारत ने तेल खरीदना शुरू किया

केप्लर के मुताबिक, मई में अब तक भारत ने वेनेजुएला से करीब 4.17 लाख बैरल प्रतिदिन कच्चा तेल खरीदा है। अप्रैल में यह आंकड़ा 2.83 लाख बैरल प्रतिदिन था, जबकि उससे पहले लगातार 9 महीने तक भारत ने वेनेजुएला से कोई तेल नहीं खरीदा था। इस बढ़ोतरी की सबसे बड़ी वजह दो हैं। >> (शेष पेज 06 पर)

फास्ट न्यूज

अवैध बांग्लादेशियों को सीधे बीएसएफ को सौंपेंगे : शुभेंदु

कोलकाता । पश्चिम बंगाल सरकार अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों को कोर्ट की बजाय सीधे सीमा सुरक्षा बल को सौंपेगी। यह जानकारी पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने गुरुवार को दी। नया नियम 20 मई से लागू हो गया है।

कार्रवाई जांच

नीट पेपर लीक- पुणे की फिजिक्स टीचर अरेस्ट

जयपुर/मुंबई/बेंगलुरु/पटना। NEET पेपर लीक मामले में CBI ने शुक्रवार को 11वां आरोपी गिरफ्तार किया। आरोपी की पहचान मनीषा संजय हवलदार के रूप में हुई है। वे पुणे के सेठ हीरालाल सराफ प्रशाला कॉलेज में टीचर हैं। मनीषा NEET परीक्षा प्रक्रिया में शामिल थीं। NTA ने उन्हें एक्सपर्ट के तौर पर नियुक्त किया था। मनीषा की पहुंच फिजिक्स के क्वेश्चन पेपर तक थी। अप्रैल 2026 में उन्होंने फिजिक्स से संबंधित कुछ सवाल अन्य आरोपी मनीषा मंधारे के साथ शेयर किए थे। मनीषा को 16 मई को गिरफ्तार किया गया था।

पीएम को झालमुड़ी खिलाने वाले को पाकिस्तान-बांग्लादेश से धमकियां

नई दिल्ली। पीएम मोदी को पश्चिम बंगाल में झालमुड़ी खिलाने वाले दुकानदार को जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। यह जानकारी दुकानदार बिक्रम कुमार ने शुक्रवार को दी। उसने बताया, 'पाकिस्तान और बांग्लादेश से फोन कॉल आ रहे हैं।

पेट्रोल-डीजल और पर्यावरण बचाने का संदेश दिया, हाईकोर्ट जज ने दिखाई झंडी

लखनऊ में 70 जज साइकिल से पहुंचे कोर्ट

अभियान

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में शुक्रवार को जिले के करीब 70 जज साइकिल से कोर्ट के लिए रवाना हुए। पेट्रोल-डीजल की बढ़ती खपत और पर्यावरण संरक्षण को लेकर जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से यह अनोखा अभियान चलाया गया। जिला जज मलखान सिंह के नेतृत्व में शुरू हुए इस कार्यक्रम को हाईकोर्ट के जस्टिस राजेश चौहान ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

>> (शेष पेज 06 पर)

जस्टिस राजेश चौहान ने दिखाई हरी झंडी

लखनऊ हाईकोर्ट के जस्टिस राजेश चौहान ने इस अभियान की शुरुआत हरी झंडी दिखाकर की। उन्होंने इसे एक सकारात्मक पहल बताते हुए कहा कि ऐसे प्रयास समाज में जागरूकता लाने के लिए बेहद जरूरी हैं।

बताया जा रहा है कि यह पहल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ईंधन बचत और पर्यावरण संरक्षण को लेकर की गई अपील से भी प्रेरित है। न्यायिक अधिकारियों ने इस माध्यम से आम जनता को वैकल्पिक साधनों को अपनाने का संदेश दिया।

माफिया मिट्टी में मिले, गुंडे भाग गए, देवरिया में 655 करोड़ के प्रोजेक्ट शुरू किए

बेटियों को छेड़ा तो यमराज टिकट काट देंगे : योगी

सौगात

तमसा संकेत, एजेंसी

देवरिया । सीएम योगी ने शुक्रवार को देवरिया में सपा पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा- इन लोगों ने विकास को बाधित किया। जनता का शोषण किया। चेहरा देखकर योजनाओं का लाभ देते थे। अपने परिवार का पेट भरते थे। लूट मचा रखी थी। आज ऐसा कुछ नहीं है। माफिया मिट्टी में मिल गए। गुंडे पलायन कर गए। जिसने जनता जनार्दन को आंख दिखाने का प्रयास किया, वह अपने आप ही यमराज के घर सिधार गया।

उन्होंने कहा-2017 से पहले शाम को 6 बजे से पहले बेटियों को घर के अंदर छिपना पड़ता था। व्यापारियों को अपने प्रतिष्ठान बंद करने पड़ते थे, लेकिन आज कोई नहीं कह सकता कि 6 बजे से पहले ही बेटी घर के अंदर दुबक जाए और व्यापारी प्रतिष्ठान बंद कर ले। बेटियां-बहनें नाइट शिफ्ट में उद्योगों में काम करती हैं। जब मर्जी तब अपने घर आ रही हैं। अगर कोई गुंडा छेड़छाड़ का दुस्साहस करता है, तो अगले चौराहे पर यमराज उसका टिकट काटने के लिए बैठे रहते हैं।

>> (शेष पेज 06 पर)

सीएम योगी ने 655.45 करोड़ की 19 परियोजनाओं का लोकार्पण-शिलान्यास किया। इसके साथ ही विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को प्रमाण-पत्र भी बांटे।

'2017 के पहले हर जिले में एक माफिया था'

2017 के पहले हर जिले में एक माफिया था। त्योहारों के पहले उपद्रव होता था। गरीबों की जमीनों पर कब्जा किया जाता था। किसी भी गरीब को शासन की योजनाओं का लाभ नहीं मिलता था। चेहरा देखकर योजनाएं बांटी जाती थीं। नौजवानों को नौकरी नहीं मिलती थी। अन्नदाता किसान को शासन की योजनाओं का लाभ नहीं मिलता था। न बेटियां सुरक्षित थीं, न ही व्यापारी सुरक्षित।

कार्यक्रम : पुलिस लाइन सभागार में मोबाइल पाकर खिले चेहरे, सर्विलांस सेल की बड़ी कामयाबी

40 लाख से ज्यादा कीमत के 201 मोबाइल बरामद

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अम्बेडकरनगर। पुलिस की मोबाइल रिकवरी सेल ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्रों से गुम हुए 201 मोबाइल फोन बरामद किए हैं। बरामद मोबाइलों की अनुमानित कीमत करीब 40.20 लाख रुपये बताई गई है। शुक्रवार को पुलिस लाइन सभागार में आयोजित कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने मोबाइल धारकों को उनके फोन सुपुर्द किए। मोबाइल वापस मिलने पर लोगों के चेहरे खिल उठे।

एसपी बोलीं- तकनीक का सही इस्तेमाल जरूरी

पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने कहा कि मोबाइल फोन आज लोगों की जरूरत का अहम हिस्सा बन चुका है। मोबाइल गुम होने पर लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। ऐसे मामलों में सर्विलांस सेल लगातार काम कर रही है और शिकायत मिलने पर मोबाइल ट्रैक कर बरामद किए जा रहे हैं। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि सभी लोग अपने मोबाइल में 'संचार साथी' एप डाउनलोड करें। इससे मोबाइल खोने की स्थिति में जरूरी जानकारी और सहायता मिल सकेगी।

पुलिस के मुताबिक, जिले में लगातार मिल रही मोबाइल गुम होने की शिकायतों के बाद पुलिस कार्यालय स्तर पर गठित मोबाइल रिकवरी सेल और सर्विलांस टीम ने अभियान चलाया। तकनीकी सहायता और सर्विलांस के जरिए विभिन्न स्थानों से मोबाइल फोन बरामद किए गए। इसके बाद संबंधित मोबाइल धारकों को सूचना देकर पुलिस लाइन बुलाया गया। मोबाइल रिकवरी अभियान जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में चलाया गया। सर्विलांस सेल ने लगातार ट्रैकिंग और तकनीकी जांच के माध्यम से गुम हुए मोबाइलों की लोकेशन निकाली।

>> (शेष पेज 06 पर)

> एसपी ने कहा, "मोबाइल गुम होने पर तुरंत स्थानीय थाने में शिकायत दर्ज कराएं। साथ ही मोबाइल का बिल, आईएमईआई नंबर, आधार कार्ड और पहचान पत्र के जरिए सीईआईआर पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराना जरूरी है। इससे मोबाइल को ट्रैक करने में मदद मिलती है।"

लखनऊ में पुलिस से भिड़े सपाई, बस पर चढ़े

बोले- पुलिसकर्मियों ने सड़क पर घसीटा

प्रदर्शन

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में समाजवादी पार्टी ने हजरतगंज चौराहे पर नीट परीक्षा लीक और महंगाई के विरोध में प्रदर्शन किया। समाजवादी पार्टी की लोहिया वाहिनी, छात्र सभा और यूथ ब्रिगेड के कार्यकर्ता बड़ी संख्या में हाथों में सरकार विरोधी पोस्टर और बैनर लेकर पहुंचे। सरकार के खिलाफ नारेबाजी करने लगे।

पुलिस ने उन्हें रोकने की कोशिश की तो काफी देर तक धक्का-मुक्की हुई। कई कार्यकर्ता पुलिस बस की छत पर चढ़ गए। पुलिसकर्मियों ने सभी कार्यकर्ताओं को हिरासत में लेकर ईको गार्डन भेज दिया।

>> (शेष पेज 06 पर)

- प्रदर्शनकारियों का आरोप फाड़ दिए गए फाड़े गए कपड़े
- सरकार महंगाई और बेरोजगारी पर नियंत्रण करने में विफल

वाराणसी पुलिस गिरफ्तार करने बिहार जाएगी

गंगा में नहाते समय युवक ने बीयर पी, एफआईआर दर्ज

फटकार

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी । काशी में गंगा नदी में इफ्तार पार्टी के बाद शुक्रवार को बीयर पीने का मामला सामने आया है। अस्सी घाट गंगा में नहा रहे एक युवक ने बीयर पी। फिर केन को मोड़कर गंगा के तट पर फेंक दिया। युवक की इस करतूत को किसी ने अपने कैमरे में कैद कर लिया।

उसे नदी से बाहर अपने पास बुलाया और फटकार लगाई। आरोपी युवक ने माफी मांगी। उसने कहा, गलती हो गई। अब आगे से ऐसा नहीं करूंगा। वीडियो सामने आने के बाद वकील शशांक शेखर त्रिपाठी ने आरोपी युवक के खिलाफ शिकायत दी। पुलिस ने धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने के आरोप में युवक पर केस दर्ज किया है। उसे पकड़ने के लिए पुलिस की एक टीम लगाई गई है। शुरुआती जांच में पता चला कि आरोपी युवक बिहार के रोहतास जिले का रहने वाला है। संतों की कहना है कि यह आस्था का अपमान है। ऐसे लोगों पर कड़ा एक्शन होना चाहिए। वहीं, कांग्रेस ने X पोस्ट में लिखा, योगी जी बताएं। आस्था के केंद्र को हुड़दंगियों का अड्डा बनाने के लिए आपको क्यों न जिम्मेदार ठहराया जाए? यह सनातन संस्कृति और पवित्रता पर सीधा आघात है। ऐसे हुड़दंगियों और आस्था से खिलवाड़ करने वाले तत्वों के खिलाफ पुलिस को कार्रवाई करनी चाहिए।

गंगा में नहाने के दौरान बीयर पीने वाले युवक पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है।

वीडियो बनने के बाद युवक ने माफी मांगी

वीडियो बनाने वालों ने युवक को पास बुलाया। युवक ने अपना नाम संतोष सिंह बताया। कहा, मैं रोहतास का रहने वाला है। वीडियो में लोगों ने उसे डांटते हुए कहा कि हिंदू होकर भी तुम गंगा में बीयर पी रहे हो। तुम्हें शर्म नहीं आई। युवक ने माफी मांगी। बोला- अब ऐसा नहीं करेगा।

5 साल तक की सजा हो सकती है

स्वामी नरेंद्रानंद सरस्वती ने कहा, गंगा केवल एक नदी नहीं, बल्कि करोड़ों सनातन धर्मवलंबियों की आस्था और चेतना का केंद्र हैं। मां गंगा के आंचल में इस तरह का अमर्यादित और अधार्मिक कृत्य कतई बर्दाश्त नहीं किया जा सकता।

स्वामी नरेंद्रानंद सरस्वती ने कहा कि यह अक्षम्य अपराध है। पुलिस को ऐसे लोगों पर कड़ा एक्शन लेना चाहिए।

सुबह 5 बजे बीयर पी रहा था युवक

काशी के रहने वाले वकील और शिकायकर्ता शशांक शेखर त्रिपाठी ने कहा, मां गंगा हिंदू धर्म में आस्था और पूजा का केंद्र है। वीडियो में देखा जा सकता है कि सुबह करीब 5 बजे एक युवक गंगा में नहा रहा है। उसके हाथ में बीयर की एक केन है। वह नहाते समय बीयर पी रहा है, यह ठीक नहीं है। गंगा घाटों पर इस तरह का कृत्य करोड़ों श्रद्धालुओं की धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाला है। यह वीडियो धार्मिक माहौल को दूषित करने और सामाजिक वैमनस्य फैलाने वाला है। अगर ऐसे मामलों पर समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो असामाजिक तत्वों का मनोबल बढ़ेगा। कानून-व्यवस्था प्रभावित हो सकती है। ऐसे में आरोपी पर केस दर्ज कर कार्रवाई की जाए। साथ ही घाटों पर निगरानी बढ़ाएं।

रायबरेली सदर तहसील में जनरेटर में लगी आग

ओवरलोडिंग और भीषण गर्मी बनी वजह

तमसा संकेत, एजेंसी

रायबरेली। रायबरेली में भीषण गर्मी के बीच सदर तहसील परिसर में एक जनरेटर में आग लग गई। आग इतनी भयानक थी कि इसकी ऊंची लपटें और काले धुएं का गुबार देखकर तहसील परिसर में मौजूद लोगों, वकीलों और फरियादियों में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की टीम मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

यह घटना शुक्रवार को हुई, जब प्रचंड गर्मी के कारण सरकारी दफ्तरों में एसी, कूलर और पंखों का इस्तेमाल बढ़ गया था। आग लगने से परिसर में अफरा-तफरी का माहौल बन गया था, लेकिन दमकल कर्मियों की मुस्तैदी से आग को आसपास की इमारतों और वाहनों तक फैलने से रोक दिया गया। सूत्रों के अनुसार, सदर तहसील का यह जनरेटर पिछले तीन दिनों से लगातार धुआं दे रहा था। इसके बावजूद जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों ने इसे गंभीरता से नहीं लिया। लगातार ओवरलोडिंग और अत्यधिक हीटिंग के कारण शुक्रवार को जनरेटर ने अचानक आग पकड़ ली। दमकल विभाग की टीम ने तुरंत मोर्चा संभाला और आग पर नियंत्रण पाया। गनीमत रही कि इस हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ और समय रहते आग पर पूरी तरह नियंत्रण पा लिया गया, जिससे एक बड़ा हादसा टल गया।

फास्ट न्यूज

मथुरा बवाल पर सांसद तनुज पुनिया का आरोप

बाराबंकी। मथुरा के नरहौली गांव में डॉ. भीमराव आंबेडकर की तस्वीर तोड़े जाने के आरोप के बाद दो पक्षों में विवाद हो गया। यह घटना बारात चढ़ाने के दौरान हुई। विवाद जल्द ही पथराव और लाठी-डंडों में बदल गया, जिसमें लगभग आधा दर्जन लोग घायल हो गए। सूचना मिलने पर कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया, हालांकि क्षेत्र में अभी भी तनाव बना हुआ है।

मोटी कहने पर इंफ्लुएंसर छात्रा को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा

वाराणसी । वाराणसी में एक सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर को दो लड़कियों ने दौड़ा-दौड़ा कर पीटा। इंफ्लुएंसर वैष्णवी महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ में पेपर देने आई थी। शाम 4:30 बजे पेपर खत्म हुआ। इसके बाद दो लड़कियों ने उसे घेर लिया और बाल पकड़कर गिरा-गिराकर पीटा। वैष्णवी ने बताया कि मैं पेपर देने के बाद निकल रही थी। तभी एक लड़की बोली कि इसे मेरे सामने से हटाओ। मैंने कहा- चुप कर मोटी। इसके बाद वह दौड़ते हुए आई और मुझे मारने लगी। उसके साथ उसकी एक दोस्त भी थी, उसने भी मुझे पीटा।

हाईस्कूल स्कूल टॉपर की नदी में डूबकर मौत

गोरखपुर। गोरखपुर में दोस्तों के साथ राप्ती नदी में नहाने गए एक छात्र की डूबने से मौत हो गई। गुरुवार को वह अपने पांच दोस्तों के साथ नदी में नहाने गया था। डूबने के बाद दोस्तों ने मोबाइल पर सूचना दी और फिर वहां से भाग गए। परिजन मौके पर पहुंचे तो किशोर के कपड़े नदी किनारे पड़े मिले। सूचना मिलने पर पुलिस और एसडीआरएफ की टीम पहुंची।

अयोध्या जिला महिला अस्पताल में लगी आग

फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियों ने पाया काबू

तमसा संकेत, एजेंसी

अयोध्या। अयोध्या जिला महिला अस्पताल की चौथी मंजिल पर शुक्रवार को शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। आग लगते ही अस्पताल परिसर में अफरा-तफरी मच गई।

सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की दो गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और राहत बचाव कार्य शुरू किया गया। एहतियात के तौर पर पूरी मंजिल को खाली करा लिया गया।

घटना की जानकारी मिलते ही अयोध्या पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस और अस्पताल कर्मचारियों की मदद से मरीजों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। दमकल कर्मियों ने अस्पताल स्टाफ और एटीएम टीम के मदद से कुछ ही देर में आग पर काबू पा लिया।

बताया जा रहा है कि हाल ही में कराई गई मॉक ड्रिल इस दौरान

काफी कारगर साबित हुई। कर्मचारियों ने सूझबूझ दिखाते हुए बिना घबराहट के मरीजों को सुरक्षित बाहर निकाला, जिससे बड़ा हादसा टल गया।

घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। मौके पर मुख्य अग्निशमन अधिकारी, एसपी सिटी चक्रपाणि त्रिपाठी और भारी पुलिस बल मौजूद रहा। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है। मामला कोतवाली नगर क्षेत्र का है। एसपी चक्रपाणि त्रिपाठी ने बताया कि आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया है।

रात 2 बजे में गर्ल्स हॉस्टल में घुसा डायरेक्टर, छात्राएं बोलीं- हमें टॉर्चर किया जा रहा

एमबीए छात्रा की मौत में टीचर समेत तीन सस्पेंड

तमसा संकेत, एजेंसी

मेरठ । मेरठ की IIMT यूनिवर्सिटी में एमबीए छात्रा अनु गुप्ता की मौत मामले में छात्रावास निदेशक और 2 वार्डन को सस्पेंड कर दिया गया। तीनों ने छात्राओं से अभद्रता की थी। इसके साथ ही मामले की एक 13 सदस्यीय जांच समिति बनाई गई है। यह समिति अनु गुप्ता की मौत कैसे हुई? ये सुसाइड या हत्या? इसकी जांच करेगी। गुरुवार को उत्तर प्रदेश महिला आयोग की सदस्य डॉ. मीनाक्षी भराला कैंपस पहुंची। अनु का कमरा देखा। कमरे की दीवार पर अनु ने लिखा था- होप। छात्राओं ने बताया अनु जीना चाहती थी, मगर यूनिवर्सिटी ने उसे मरने के लिए मजबूर कर दिया। उसे मेंटली टॉर्चर

अनु गुप्ता, मृतका

किया जा रहा था। टीचर रात में गर्ल्स हॉस्टल में घुस आता था। अनु पर 30 हजार रुपए अटेंडेंस फीस का दबाव बनाया जा रहा था। दरअसल, 20 मई को यूनिवर्सिटी के गर्ल्स हॉस्टल की लॉबी में अनु की डेडबॉडी पड़ी मिली थी। वह तीसरी मंजिल पर रहती थी। उसके चेहरे पर चोट के निशान थे। पिता ने हत्या का आरोप लगाते हुए गंगानगर थाने में आईआईएमटी यूनिवर्सिटी पर सुसाइड के लिए उकसाने का मुकदमा दर्ज कराया था।

आईआईएमटी यूनिवर्सिटी गेट पर गुरुवार को छात्र-छात्राओं ने धरना प्रदर्शन किया था।

यूनिवर्सिटी ने जांच और मुआवाज कमेटी बनाईं

छात्रों की मांग पर विश्वविद्यालय ने जांच और आर्थिक सहायता के लिए दो अलग-अलग कमेटियां बनाई हैं। जांच कमेटी में विवि प्रशासन के 7 सदस्य और छात्र प्रतिनिधि के 6 सदस्य शामिल हैं। समिति में विवि प्रशासन के चीफ प्रॉक्टर डॉ. भूपेंद्र कुमार, निदेशक प्रशासन डॉ. संदीप कुमार, गर्ल्स हॉस्टल निदेशक डॉ. मुक्ता शर्मा, डीन छात्र कल्याण डॉ. नीरज शर्मा, आंतरिक शिकायत समिति प्रमुख डॉ. विनीता शुक्ला, आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ प्रमुख डॉ. वत्सला तोमर और सहायक प्रोफेसर डॉ. अक्षय राज शामिल हैं।

हॉस्टल के रूम नंबर 67 में रहती थी अनु

छात्रा अनु गुप्ता आईआईएमटी के सरोजनी नायडू गर्ल्स हॉस्टल में रहती थी। उसका रूम नंबर 67 तीसरी मंजिल पर है। बुधवार सुबह करीब 9.30 बजे उसका खून से लथपथ शव हॉस्टल के नीचे बने जिम के बाहर पड़ा दिखा। काम करने वाली मेड ने सबसे पहले छात्रा की डेडबॉडी देखी। उसने अन्य छात्राओं को बताया। छात्राओं ने इसकी जानकारी कॉलेज प्रशासन को दी। सूचना पर पुलिस भी मौके पर पहुंची। इसके बाद छात्रा के शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया। देर शाम अनु गुप्ता की मौत के बाद यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट्स भड़क गए। बुधवार रात को सभी ने यूनिवर्सिटी गेट पर ही धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया। रात भर स्टूडेंट्स वहीं धरनास्थल पर डटे रहे। गुरुवार सुबह 10 बजे वीसी डॉ. दीपा शर्मा सीओ सदर देहात सुधीर सिंह ने मौके पर पहुंचे। छात्रों को शांत कराया। इसके बाद छात्र नेताओं व विवि प्रशासन के बीच करीब एक घंटे बात हुई। सुबह 11:30 बजे धरना खत्म कर दिया गया।

करनपुर विद्युत उपकेंद्र के बाहर सड़क जाम कर घंटों धरना प्रदर्शन

भीषण गर्मी में बिजली कटौती से फूटा ग्रामीणों का गुस्सा

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। भीषण गर्मी और लगातार हो रही अघोषित बिजली कटौती से परेशान ग्रामीणों का गुस्सा शुक्रवार को आखिरकार फूट पड़ा। मोहम्मदपुर खाला थाना क्षेत्र अंतर्गत फतेहपुर–सूरतगंज मार्ग पर स्थित करनपुर पावर हाउस के बाहर मोहम्मदपुर खाला थाना क्षेत्र के सैकड़ों ग्रामीण सड़क पर उतर आए और बीच सड़क पर गाड़िया लगाकर धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया। देखते ही देखते प्रदर्शन उग्र रूप लेने लगा और मार्ग पर यातायात पूरी तरह प्रभावित हो गया। करीब तीन घंटे तक चले धरना प्रदर्शन के चलते राहगीरों को भारी दिक्कतों का सामना करना

पड़ा तथा क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बना रहा। ग्रामीणों का आरोप था कि क्षेत्र में पिछले कई दिनों से लगातार अघोषित बिजली कटौती और अत्यधिक रोस्टिंग की जा रही है। दिन हो या रात, बार-बार बिजली गुल होने से लोगों का जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है। भीषण उमस और गर्मी में छोटे बच्चों, बुजुर्गों और मरीजों की हालत खराब हो रही है। लोगों ने बताया कि रातभर बिजली न रहने से लोग जागकर रात बिताने को मजबूर हैं। धरना दे रहे ग्रामीणों ने बताया कि कई बार बिजली विभाग के अधिकारियों से शिकायत की गई, लेकिन स्थिति में कोई सुधार नहीं हुआ। लगातार बिजली बाधित रहने से स्वच्छ पेयजल संकट भी गहराने लगा है। घरों

> धरना समाप्त होने के बाद फतेहपुर - सूरतगंज मार्ग पर यातायात पुनः सुचारू हो सका, जिससे राहगीरों ने राहत की सांस ली। हालांकि ग्रामीणों ने चेतावनी दी कि यदि तय समय सीमा के भीतर बिजली व्यवस्था में सुधार नहीं हुआ तो वे फिर से बड़ा आंदोलन करने को बाध्य होंगे।

में लगे इनवर्टर जवाब दे चुके हैं और रात में घरो में रोशनी की भी व्यवस्था भी ध्वस्त हो गई है। इससे लोगों की दैनिक दिनचर्या बुरी तरह प्रभावित हो रही है। वहीं किसानों ने भी अपनी समस्या रखते हुए कहा कि बिजली न मिलने से सिंचाई कार्य बाधित हो रहा है, जिससे फसलों पर संकट मंडराने लगा है। प्रदर्शन के दौरान ग्रामीणों ने बिजली विभाग के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और नियमित विद्युत आपूर्ति बहाल करने की मांग उठाई। प्रदर्शनकारियों ने साफ शब्दों में कहा कि जब तक संबंधित विभागीय अधिकारी मौके पर पहुंचकर लिखित आश्वासन नहीं देंगे, तब तक धरना समाप्त नहीं किया जाएगा। धरना प्रदर्शन की सूचना मिलते ही मोहम्मदपुर खाला कोतवाली प्रभारी निरीक्षक अमित सिंह भदौरिया पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए। इसके अलावा सूरतगंज चौकी इंचार्ज उमेश कुमार वर्मा भी दलबल के साथ मौके पर मौजूद रहे। पुलिस प्रशासन ने ग्रामीणों को समझाने और यातायात बहाल कराने का प्रयास किया, लेकिन प्रदर्शनकारी अपनी मांगों पर अड़े रहे।

'बीजेपी दिमाग से पूजती है राम, कांग्रेस दिल से'

अयोध्या पहुंचे कांग्रेस के राष्ट्रीय सचिव

तमसा संकेत, एजेंसी

अयोध्या। कांग्रेस सचिव सत्यनारायण पटेल शुक्रवार को अयोध्या पहुंचे। उनके साथ रामायण-2 में हनुमान का किरदार निभाने वाले अभिनेता और कांग्रेस नेता विक्रम मस्ताल भी मौजूद रहे। कमला नेहरू भवन, रिकाबगंज में आयोजित प्रेस वार्ता में सत्यनारायण पटेल ने कहा कि गांधी परिवार हमेशा राम मंदिर आता रहा है। उन्होंने कहा कि पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने भी रामराज्य की बात कही थी।

उन्होंने कहा, "रामराज्य का अर्थ है कि प्राणी मात्र में सद्भावना हो, गौ माता का कल्याण हो और सभी मनुष्य समान हों। यही हिंदू धर्म का मूल संदेश है।" भाजपा पर हमला बोलते हुए पटेल ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी राम को "दिमाग से पूजती है", जबकि कांग्रेस और

उसके नेता "दिल से पूजते हैं।" उन्होंने कहा कि धर्म का ठेका केवल भाजपा ने नहीं लिया है और भाजपा की कथनी-करनी में बड़ा अंतर है। उन्होंने केंद्र और प्रदेश सरकार की आर्थिक नीतियों पर भी सवाल उठाए। पटेल ने कहा कि महंगाई और बेरोजगारी लगातार बढ़ रही है। आम लोग सोना खरीदने की स्थिति में नहीं हैं, बल्कि बेचने को मजबूर हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि देश की अर्थव्यवस्था कमजोर हो चुकी है और लोगों की आय लगातार घट रही है।

लूट : 7 नकाबपोश घुसे, परिवार को बंधक बनाया, बंदूक तानकर बोले- मारकर दफना देंगे

कारोबारी के घर एक करोड़ की डकैती

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी में बंदूक की नोक पर नकाबपोश डकैतों ने शुक्रवार तड़के 3 बजे किराना व्यापारी के घर से 1.02 करोड़ लूट लिए। 7 बदमाश दो मंजिला घर के पिछले दरवाजे को तोड़कर घुसे। सो रहे लोगों को उठाया। उन्हें पीटा। उन पर बंदूक तान दी। हाथ-पैर रस्सी से बांधकर मुंह पर टेप लगा दिया। कहा- अगर किसी ने कुछ करने की कोशिश की तो गोली मारकर ढेर कर देंगे।

घर में मौजूद छोटे बच्चे (व्यापारी के नाती) जब डरकर रोने लगे तो डकैतों ने उन्हें भी बेरहमी से पीटा। उनकी मां को कहा- इन्हें दूध पिलाकर चुप कराओ, वरना गोली मार देंगे। इसके बाद व्यापारी के इकलौते बेटे के सिर पर तमंचा रखकर कहा- चुप रहना नहीं तो पूरे परिवार को मारकर दफन कर देंगे। डकैतों ने करीब एक घंटे तक घर के हर कमरे को खंगाला। 12 लाख रुपए कैश और 90 लाख रुपए के गहने लेकर फरार हो गए। किसी तरह व्यापारी के परिवार ने रस्सी खोलकर पुलिस को सूचना दी। मौक पर SP, ASP, CO पुलिस फोर्स के साथ पहुंचे। डकैतों की गिरफ्तारी के लिए टीम गठित की। मामला देवा थाना क्षेत्र का है। ग्वारी गांव में किराना कारोबारी आलोक जायसवाल (52) का मकान है। ग्राउंड फ्लोर पर किराने की थोक दुकान और गोदाम है। ऊपर की मंजिल पर अपनी मां नंदिनी जायसवाल (74), पत्नी नीलम (45), बेटे हिमांशु (28) और बहू नेहा उर्फ प्रियंका (25) के साथ रहते हैं। उनकी दो बेटियां सोनाली (29) और देवांशी (26) भी हैं।

आलोक जायसवाल कारोबारी

पुलिस को शक- बदमाशों को पता था कि पैसे और जेवर कहां रखे हैं

अपर पुलिस अधीक्षक (उत्तरी) विकास चंद्र त्रिपाठी ने बताया- मामले के खुलासे के लिए पांच टीमें गठित की गई हैं। आलोक जायसवाल ने घटना की सूचना दी थी। पुलिस ने घर के सदस्यों और आसपास के लोगों से पूछताछ की। पूछताछ के आधार पर कुछ संदिग्धों को हिरासत में लेकर उनसे पूछताछ की जा रही है।

साले की बेटी ने खोले सभी के हाथ

आलोक ने बताया- चार बदमाशों को मैंने देखा था, दो के हाथ में पिस्टल थी। मेरे और मेरी मम्मी के सिर पर पिस्टल लगा दी थी। बाकी 3 दूसरे कमरों में थे। 1 लाख रुपए मैं अपने ससुराल में घर बनवाने के लिए लाया था। मेरी शादी, मम्मी की शादी और बहन के जितने गहने थे, सब ले गए। मेरे यहां साले की लड़की भी आई थी। वह एक छोटे कमरे में अकेले सो रही थी। डकैतों को उसका पता नहीं चला। इसलिए वो उस तक नहीं पहुंच पाए। उनके जाने के बाद हमने उसे उठाया तो उसने सभी की रस्सियां खोलीं।

ग्वारी गांव में आलोक जायसवाल के किराने की दुकान है। ऊपर पिरवार के साथ रहते हैं।

बहन बोली- मेरे भाई और बहन को बहुत मारा

बेटी देवांशी जायसवाल ने बताया- बदमाश असलहा लेकर कमरे में पहुंचे। मेरे छोटे बेटे शिवम के हाथ में भी चोट आई है। बड़े बेटे को भी बहुत मारा। बहन सोनाली के मुंह पर टेप लगाने की कोशिश की। उसने विरोध किया तो उसे बहुत मारा। उसके बेटे को भी मारा। बदमाशों ने मेरे भाई हिमांशु को भी बहुत पीटा।

अयोध्या में डंपर की टक्कर से बाइक में लगी आग

दो युवकों ने कूदकर बचाई जान, हाइवे पर आधे घंटे तक यातायात प्रभावित

तमसा संकेत, एजेंसी

अयोध्या। अयोध्या-रायबरेली नेशनल हाईवे पर बुधवार देर रात बड़ा हादसा होते-होते टल गया। इनायतनगर थाना क्षेत्र के कुचेरा बाजार के पास डंपर की टक्कर के बाद एक मोटरसाइकिल में आग लग गई। हादसे में बाइक सवार दो युवक बाल-बाल बच गए। घटना के बाद हाईवे पर करीब आधे घंटे तक यातायात प्रभावित रहा।

जानकारी के अनुसार, बाइक मेराज अहमद की थी। उस पर दो युवक सवार होकर हाईवे से गुजर रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, सड़क किनारे खड़ा एक डंपर अचानक चल पड़ा और बाइक उसकी चपेट में आ गई।

टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों

युवक बाइक से दूर जा गिरे। वहीं मोटरसाइकिल में तुरंत आग लग गई और कुछ ही देर में पूरी बाइक धू-धू कर जलने लगी। स्थानीय लोगों ने बताया कि युवकों ने समय रहते बाइक से छलांग लगा दी, जिससे उनकी जान बच गई।

हादसे की सूचना मिलते ही बड़ी संख्या में लोग मौके पर जुट गए। सूचना पर इनायतनगर पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम पहुंची। सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस ने हाईवे पर दोनों ओर वाहनों का आवागमन रोक दिया। फायर ब्रिगेड कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। इसके बाद जली हुई बाइक को सड़क किनारे हटाकर यातायात बहाल कराया गया। इस दौरान हाईवे पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। घायल युवकों को परिजन निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उनका इलाज चल रहा है। डॉक्टरों के मुताबिक दोनों की हालत खतरे से बाहर है और उन्हें मामूली चोटें आई हैं।

पुलिस ने बताया कि हादसे के बाद डंपर चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया। उसकी तलाश की जा रही है।

बैठक की शुरुआत पिछले किसान दिवस में उठाए गए मामलों की समीक्षा से हुई

किसान दिवस में गूंजे सिंचाई, बिजली के मुद्दे

आयोजन

डीएम ने अधिकारियों को दिए त्वरित समाधान के निर्देश

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अम्बेडकरनगर । विकास भवन सभागार में शुक्रवार को किसान दिवस का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने की। कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी, जिला विकास अधिकारी, उप कृषि निदेशक, कृषि वैज्ञानिक और विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। किसान दिवस में किसानों ने खेती और ग्रामीण समस्याओं से जुड़े कई मुद्दे अधिकारियों के सामने रखे।

बैठक की शुरुआत पिछले किसान दिवस में उठाए गए मामलों की समीक्षा से हुई। उप कृषि निदेशक ने पिछली बैठक की कार्यवाही और अनुपालन रिपोर्ट प्रस्तुत की। किसानों ने कई मामलों में हुई कार्रवाई पर संतोष जताया, लेकिन सिंचाई और बिजली से जुड़ी समस्याओं को प्रमुखता से उठाया।

कृषि विज्ञान केंद्र के वैज्ञानिकों ने किसानों को हरी खाद के उपयोग, धान की नर्सरी उपचार और आधुनिक खेती तकनीकों की जानकारी दी। वैज्ञानिकों ने बताया कि उन्नत खेती पद्धति अपनाने से फसल उत्पादन बढ़ाया जा सकता है और लागत भी कम की जा सकती है। बैठक में किसानों को खाद, बीज, कृषि रक्षा रसायन और मिनी किट की उपलब्धता के बारे में भी जानकारी दी गई। अधिकारियों ने किसानों से प्रमाणित बीज और संतुलित उर्वरकों के उपयोग पर जोर दिया।

किसान दिवस में भूमि संरक्षण विभाग, गन्ना विभाग, पशुपालन विभाग, विद्युत विभाग और नलकूप विभाग के अधिकारियों ने किसानों को विभागीय योजनाओं और सुविधाओं की जानकारी दी।

माइनरों में पानी नहीं पहुंचने की शिकायत

किसानों ने कहा कि कई क्षेत्रों में माइनरों तक पानी नहीं पहुंच रहा है, जिससे धान की खेती प्रभावित हो सकती है। इसके अलावा खेतों के बीच लगे बिजली पोल हटाने की मांग भी उठाई गई। किसानों का कहना था कि पोल की वजह से खेती कार्य में दिक्कत होती है। जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को मौके पर जाकर निरीक्षण करने और समस्याओं का जल्द समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि किसानों की शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित किया जाए।

पशुओं के टीकाकरण का मुद्दा भी उठा

किसानों ने पशुओं के टीकाकरण में आ रही दिक्कतों को भी बैठक में रखा। इस पर जिलाधिकारी ने शासन स्तर पर वार्ता कर आवश्यक वैक्सीन उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया। अधिकारियों ने कहा कि पशुपालन किसानों की आय बढ़ाने का बेहतर माध्यम बन सकता है।

बैठक में एम्ब्रियो ट्रांसफर तकनीक, उन्नत नस्ल संवर्धन और वर्मीकम्पोस्ट निर्माण की जानकारी दी गई। इसके साथ ही 90 प्रतिशत अनुदान पर संचालित बकरी पालन योजना के बारे में भी किसानों को अवगत कराया गया।

बसखारी में अवैध डायग्नोस्टिक सेंटरों पर उठे सवाल, जांच की मांग

स्वास्थ्य विभाग पर संरक्षण और वसूली के आरोप

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर । बसखारी क्षेत्र में अवैध रूप से संचालित क्लीनिक, झोलाछाप डॉक्टरों और डायग्नोस्टिक सेंटरों को लेकर स्वास्थ्य विभाग की कार्यप्रणाली सवालों के घेरे में आ गई है। क्षेत्र में लगातार चर्चा है कि कई सेंटर बिना मानकों के संचालित हो रहे हैं, लेकिन कार्रवाई के बजाय कथित संरक्षण का खेल जारी है।

सोशल मीडिया पर भी इस मामले को लेकर कई पोस्ट और आरोप सामने आए हैं। इसके बावजूद अब तक किसी बड़े स्तर की कार्रवाई न होने से लोगों में नाराजगी है। स्थानीय नागरिकों ने मामले की निष्पक्ष जांच की मांग उठाई है।

शिकायतकर्ताओं और स्थानीय सूत्रों के अनुसार, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बसखारी के अधीक्षक

डॉ. अजय कुमार और बीपीएम कमलेश पर अवैध वसूली के आरोप लगाए जा रहे हैं। आरोप है कि क्षेत्र में संचालित कुछ निजी अस्पतालों, क्लीनिकों और डायग्नोस्टिक सेंटरों से नियमित रूप से धन उगाही की जाती है। कुछ संचालकों ने नाम न प्रकाशित करने की शर्त पर बताया कि कार्रवाई और सीलिंग की चेतावनी देकर दबाव बनाया जाता है। आरोप है कि बाद में कथित समझौते के बाद कार्रवाई रोक दी जाती है।

हालांकि, इन आरोपों की आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है और संबंधित अधिकारियों का पक्ष समाचार लिखे जाने तक सामने नहीं आ सका। क्षेत्र के लोगों का कहना है कि कुछ पंजीकृत अस्पतालों में लगे अल्ट्रासाउंड और डायग्नोस्टिक उपकरणों का इस्तेमाल बाहरी मरीजों की जांच के लिए किया जा रहा है। जबकि नियमों के अनुसार ऐसी सेवाएं निर्धारित मानकों और पंजीकरण शर्तों के तहत ही दी जा सकती हैं।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि विभागीय निगरानी कमजोर होने के कारण कई सेंटर खुलेआम संचालित हो रहे हैं। बसखारी बाजार, दरगाह और किछौछा क्षेत्र में बड़ी संख्या में निजी पैथोलॉजी लैब और डायग्नोस्टिक सेंटर संचालित होने की चर्चा है।

फास्ट न्यूज

भीषण गर्मी में राहगीरों को राहत

जलालपुर नगर । भीषण गर्मी और तेज धूप से लोगों को राहत देने के लिए जिला उद्योग व्यापार मंडल की ओर से डाकखाने के पास निःशुल्क प्याऊ की व्यवस्था शुरू की गई है। यहां राहगीरों, दुकानदारों और आम नागरिकों के लिए ठंडा और स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है। व्यापार मंडल के जिलाध्यक्ष आनंद जायसवाल ने बताया कि लगातार बढ़ रही गर्मी और लू को देखते हुए यह व्यवस्था की गई है।

चैम्प्स सम्मान समारोह में मेधावी छात्र-छात्राएं सम्मानित

अंबेडकरनगर । अकबरपुर स्थित सेंट पीटर्स इंटर कॉलेज ऑडिटोरियम में चैम्प्स 2026 फेलिसिटेशन सेरेमनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभिन्न वर्गों के मेधावी छात्र-छात्राओं को पुरस्कार और प्रशस्ति-पत्र देकर सम्मानित किया गया। आयोजन तौहीदुल मुस्लेमीन ट्रस्ट की ओर से किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करना और प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रति जागरूक करना रहा। समारोह में बड़ी संख्या में छात्र, अभिभावक और शिक्षा से जुड़े लोग मौजूद रहे।

राष्ट्रीय अधिकार युवा मोर्चा में मंगल मणि तिवारी को बड़ी जिम्मेदारी

अंबेडकरनगर । राष्ट्रीय अधिकार युवा मोर्चा ने समाजसेवी मंगल मणि तिवारी को संगठन का जिला उपाध्यक्ष मनोनीत किया है। संगठन की ओर से जारी जानकारी के बाद समर्थकों और क्षेत्रीय कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल देखा गया। मनोनीत होने के बाद मंगल मणि तिवारी ने संगठन के शीर्ष नेतृत्व के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा कि संगठन ने उन पर जो विश्वास जताया है, वह उस जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ निभाएंगे।

अंबेडकरनगर में भीषण गर्मी का कहर, पारा 41 डिग्री के पार

दोपहर में सड़कों पर पसरा सन्नाटा

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर । गर्मी और लू का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। गुरुवार को अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जिससे जिले में जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ। दोपहर के समय शहर और ग्रामीण इलाकों की सड़कों पर सन्नाटा देखने को मिला।

सुबह और शाम के समय हल्की आवाजाही के बाद दोपहर होते ही बाजार, बस स्टॉप और प्रमुख चौराहे खाली हो गए। लोग केवल जरूरी कामों के लिए ही घरों से बाहर निकलते नजर आए।

तेज धूप और गर्म हवाओं के कारण लोगों की दिनचर्या पूरी तरह प्रभावित हो गई है। राहत पाने के लिए लोग गन्ने का जूस, ठंडे पेय पदार्थ और छांव का सहारा ले रहे हैं। बाजारों में ठंडे पेय पदार्थों की दुकानों पर भीड़ देखी जा रही है, जबकि अन्य दुकानों पर ग्राहक कम

नजर आ रहे हैं। कूलर और पंखों से भी गर्म हवा निकलने की शिकायत लोगों ने की है। घरों के अंदर भी गर्मी से राहत नहीं मिल पा रही है।

इस भीषण गर्मी का सबसे अधिक असर मजदूरों, किसानों, रिक्शा चालकों और ठेला लगाने वालों पर पड़ रहा है। पेट भरने के लिए ये लोग तेज धूप में भी काम करने को मजबूर हैं। दोपहर के समय सड़क पर निकलना मुश्किल हो गया है। कई लोगों ने चक्कर आने और कमजोरी की शिकायत भी की है।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने लोगों को दोपहर 12 बजे से 3 बजे के बीच अनावश्यक रूप से बाहर न निकलने की सलाह दी है।

राजे सुल्तानपुर में सड़क बनी 'खतरनाक रास्ता', नाली का पानी सड़क पर फैला

वार्ड नंबर 4 में गड्ढा, कीचड़ और दुर्गंध से लोग परेशान

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर । जहांगीरगंज विकासखंड स्थित नगर पंचायत राजे सुल्तानपुर के वार्ड नंबर 4 में हालात बिगड़ते जा रहे हैं। सड़क के बीच बना गड्ढा और नाली का गंदा पानी लोगों के लिए रोजमर्रा की परेशानी बन गया है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि कई बार शिकायत के बाद भी स्थिति में सुधार नहीं हुआ।

सड़क के बीच जेसीबी से खोदा गया गड्ढा लंबे समय से भरा नहीं गया है। इससे पूरा मार्ग असमान और खतरनाक हो गया है। बारिश होते ही यह गड्ढा पानी से भर जाता है, जिससे दुर्घटना की आशंका और बढ़ जाती है।

वार्ड नंबर 4 के लोगों का कहना है कि यह रास्ता स्कूल, बाजार और अन्य जरूरी कामों के लिए मुख्य मार्ग है। लेकिन टूटी सड़क और गंदे पानी के कारण हर दिन जोखिम बना रहता है।ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि शिकायतों के बावजूद अब तक न तो नाली की सफाई हुई और न ही सड़क की मरम्मत की गई।

मच्छरों का प्रकोप, बीमारी का खतरा बढ़ा

गंदगी और ठहरे पानी के कारण मच्छरों की संख्या तेजी से बढ़ गई है। लोगों ने आशंका जताई है कि इससे डेंगू, मलेरिया और अन्य संक्रामक रोग फैलने का खतरा बढ़ गया है।इलाके में बच्चों और बुजुर्गों की हालत ज्यादा खराब है। कई लोग फिसलकर गिर चुके हैं, जबकि कुछ को हल्की चोटें भी आई हैं।

नाली चोक, गंदा पानी सड़क पर फैला

ग्रामीणों के अनुसार नाली पूरी तरह चोक है। करीब 100 मीटर तक गंदगी जमा होने से पानी का बहाव रुक गया है। इसका असर सीधे सड़क पर दिखाई दे रहा है, जहां लगातार गंदा पानी बहता रहता है।स्थानीय लोगों ने बताया कि इलाके में बदबू फैल गई है और हालात इतने खराब हैं कि राहगीरों को नाक ढककर गुजरना पड़ता है। घरों के सामने भी गंदा पानी जमा हो रहा है।

आलापुर में दबंगई का तांडव विधवा के घर पर हमला

पीलर उखाड़ा, पथराव में बेटियां घायल, सीसीटीवी भी तोड़ा

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर । आलापुर थाना क्षेत्र के धनुकारा गांव में दबंगई का मामला सामने आया है। आरोप है कि अनुसूचित जाति की विधवा सरिता देवी के घर पर कुछ लोगों ने हमला किया और जमकर उत्पात मचाया। घटना में उनकी दो बेटियां एकता और निधि घायल हो गईं।

पीड़िता के अनुसार आरोपियों ने पहले घर के निर्माण में लगे पीलर को उखाड़ दिया। इसके बाद गाली-गलौज करते हुए पथराव शुरू कर दिया। अचानक हुए हमले से इलाके में अफरा-तफरी मच गई और लोग घरों से बाहर निकल आए।

जानकारी के मुताबिक घटना के दौरान पीड़ित परिवार ने पुलिस हेल्पलाइन 1090 पर सूचना दी। सूचना मिलने पर पुलिस टीम मौके के लिए रवाना हुई, लेकिन उससे पहले ही आरोपियों ने घर में लगे

सीसीटीवी कैमरे तोड़ दिए और उसे अपने साथ ले गए।

आरोप यह भी है कि हमलावरों ने घर का अन्य सामान भी उठा लिया और परिवार को धमकी देकर फरार हो गए। घटना के बाद डरी-सहमी सरिता देवी ने आलापुर थाने पहुंचकर लगभग एक दर्जन लोगों के खिलाफ नामजद तहरीर दी है। पीड़िता ने आरोपियों पर घर में घुसकर हमला करने, तोड़फोड़ करने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया है। साथ ही परिवार की सुरक्षा की मांग की है।

ट्रामा सेंटर में गंदगी मिलने पर कार्रवाई के निर्देश, मरीजों की सुविधाएं बढ़ाने पर जोर

हीट वेव को लेकर जिला अस्पताल में डीएम का औचक निरीक्षण

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अम्बेडकरनगर । बढ़ती गर्मी और हीट वेव को देखते हुए जिलाधिकारी ईशा प्रिया ने शुक्रवार को संयुक्त जिला चिकित्सालय और ट्रामा सेंटर का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान ज्वाइंट मजिस्ट्रेट एवं उपजिलाधिकारी प्रतीक्षा सिंह भी मौजूद रहीं। निरीक्षण में स्वास्थ्य सेवाओं, साफ-सफाई और मरीजों के लिए की गई व्यवस्थाओं की पड़ताल की गई।

जिलाधिकारी ने अस्पताल की इमरजेंसी, ओपीडी, एआरवी कक्ष, एसएनसीयू, आर्थो वार्ड, जनरल वार्ड और ट्रामा सेंटर का निरीक्षण किया। उन्होंने हीट वेव से बचाव के लिए अस्पताल में उपलब्ध ओआरएस, पेयजल, वाटर कूलर, कूलर और अन्य जरूरी सुविधाओं

का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने वार्डों में भर्ती मरीजों और उनके तीमारदारों से बातचीत की। उन्होंने उपचार, दवा और भोजन व्यवस्था के बारे में जानकारी ली। कई वार्डों में गर्मी से राहत के लिए अतिरिक्त व्यवस्थाओं की जरूरत सामने आई।

इस पर जिलाधिकारी ने मुख्य चिकित्सा अधीक्षक को निर्देश दिया कि एसएनसीयू और जनरल वार्डों में मरीजों और तीमारदारों की सुविधा के लिए अतिरिक्त पंखे, बेंच और कूलर लगाए जाएं। उन्होंने कहा कि गर्मी के मौसम में अस्पताल आने वाले मरीजों को किसी तरह की परेशानी नहीं होनी चाहिए। जिलाधिकारी ने अस्पताल प्रशासन को निर्देशित किया कि हीट वेव को देखते हुए ओआरएस, पेयजल, वाटर कूलर और जरूरी चिकित्सीय सुविधाएं लगातार उपलब्ध रहें। उन्होंने कहा कि मरीजों को शासन की मंशा के अनुरूप बेहतर और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं दी जाएं।

अस्पताल प्रशासन को यह भी निर्देश दिया गया कि गर्मी के कारण आने वाले मरीजों की संख्या बढ़ने की स्थिति में अतिरिक्त व्यवस्थाएं पहले से सुनिश्चित कर ली जाएं। निरीक्षण के दौरान कई विभागों के चिकित्सक और कर्मचारी मौजूद रहे। जिला अस्पताल में निरीक्षण के बाद एक बाल रोग चिकित्सक के अचानक ड्यूटी से चले जाने की चर्चा भी सामने आई।

ट्रामा सेंटर में गंदगी मिलने पर नाराजगी

निरीक्षण के दौरान ट्रामा सेंटर में सफाई व्यवस्था संतोषजनक नहीं मिली। कई स्थानों पर गंदगी मिलने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी जताई। उन्होंने संबंधित सफाई कर्मी के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी ने अस्पताल प्रशासन से साफ-सफाई व्यवस्था को नियमित और प्रभावी बनाए रखने को कहा। उन्होंने निर्देश दिया कि वार्डों और परिसर में स्वच्छता को लेकर किसी तरह की लापरवाही नहीं होनी चाहिए।

40 लाख से ज्यादा कीमत के 201 मोबाइल बरामद, एसपी ने पीड़ितों को लौटाए फोन

पुलिस लाइन सभागार में मोबाइल पाकर खिले चेहरे, सर्विलांस सेल की बड़ी कामयाबी

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर । पुलिस की मोबाइल रिकवरी सेल ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्रों से गुम हुए 201 मोबाइल फोन बरामद किए हैं। बरामद मोबाइलों की अनुमानित कीमत करीब 40.20 लाख रुपये बताई गई है। शुक्रवार को पुलिस लाइन सभागार में आयोजित कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने मोबाइल धारकों को उनके फोन सुपुर्द किए। मोबाइल वापस मिलने पर लोगों के चेहरे खिल उठे।

पुलिस के मुताबिक, जिले में लगातार मिल रही मोबाइल गुम होने की शिकायतों के बाद पुलिस कार्यालय स्तर पर गठित मोबाइल रिकवरी सेल और सर्विलांस टीम ने अभियान चलाया। तकनीकी सहायता और सर्विलांस के जरिए विभिन्न स्थानों से मोबाइल फोन

बरामद किए गए। इसके बाद संबंधित मोबाइल धारकों को सूचना देकर पुलिस लाइन बुलाया गया। पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने कहा कि मोबाइल फोन आज लोगों की जरूरत का अहम हिस्सा बन चुका है। मोबाइल गुम होने पर लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। ऐसे मामलों में सर्विलांस सेल लगातार काम कर रही है और शिकायत मिलने पर मोबाइल ट्रैक कर बरामद किए जा रहे हैं। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि सभी लोग अपने मोबाइल में 'संचार साथी' एप डाउनलोड करें। इससे मोबाइल खोने की स्थिति में जरूरी जानकारी और सहायता मिल सकेगी। एसपी ने कहा, "मोबाइल गुम होने पर तुरंत स्थानीय थाने में शिकायत दर्ज कराएं।

कई थाना क्षेत्रों से बरामद हुए मोबाइल

मोबाइल रिकवरी अभियान जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में चलाया गया। सर्विलांस सेल ने लगातार ट्रैकिंग और तकनीकी जांच के माध्यम से गुम हुए मोबाइलों की लोकेशन निकाली। पुलिस अधिकारियों के निर्देशन में टीम ने अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई कर कुल 201 मोबाइल फोन बरामद किए। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि बरामद मोबाइल संबंधित लोगों को सत्यापन के बाद सौंपे गए। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में लोग अपने मोबाइल लेने पहुंचे।

मेडिकल कॉलेज में मानसिक स्वास्थ्य पर जागरूकता कार्यक्रम

तनाव, डिप्रेशन और समय प्रबंधन पर विशेषज्ञों ने दी जानकारी

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर । महामाया राजकीय एलोपैथिक मेडिकल कॉलेज, सद्दरपुर में गुरुवार को मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) की मेंटल हेल्थ एंड वेल-बीइंग कमेटी के अंतर्गत मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य के निर्देशन में आयोजित हुआ। इसमें छात्र-छात्राओं को मानसिक तनाव, अवसाद, एंजायटी और बदलती जीवनशैली से जुड़ी चुनौतियों के बारे में जानकारी दी गई।

कार्यक्रम में मानसिक रोग विशेषज्ञ डॉ. पारुल यादव और डॉ. सुधांशु चंदेल ने तनाव के कारण, उसके प्रकार, प्रभाव और प्रबंधन पर विस्तार से व्याख्यान दिया। साथ ही समय प्रबंधन और मानसिक संतुलन बनाए रखने के उपायों पर भी चर्चा की गई। कार्यक्रम में मेडिकल

कॉलेज की उपचारिकाएं भी मौजूद रहीं। उन्होंने अपने व्यक्तिगत अनुभव साझा करते हुए मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े विषयों पर बातचीत की। आयोजन में मेडिकल कॉलेज के नर्सिंग छात्र-छात्राओं के अलावा सर सुंदर लाल कॉलेज ऑफ नर्सिंग के विद्यार्थियों ने भी भाग लिया। कई पीजी छात्र-छात्राएं भी कार्यक्रम में शामिल हुए। विशेषज्ञों ने बताया कि आज की तेज जीवनशैली, पढ़ाई का दबाव, सामाजिक चुनौतियां और डिजिटल दुनिया का बढ़ता प्रभाव युवाओं के मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर रहा है। ऐसे में समय रहते सही मार्गदर्शन और संवाद बेहद जरूरी है।

हादसा : अकबरपुर के उकरा गांव के पास हुआ हादसा, चालक वाहन लेकर फरार

अज्ञात पिकअप की टक्कर से बाइक सवार दो युवकों की मौत

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर । अकबरपुर थाना क्षेत्र में गुरुवार देर रात सड़क हादसे में बाइक सवार दो युवकों की मौत हो गई। इल्तिफातगंज मार्ग पर उकरा गांव के पास तेज रफ्तार अज्ञात पिकअप वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस उन्हें अस्पताल लेकर गई, जहां डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया।

घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं हादसे के बाद पिकअप चालक

वाहन समेत मौके से फरार हो गया।

सूचना मिलने के बाद अकबरपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घायल युवकों को तुरंत इलाज के लिए अस्पताल पहुंचाया, लेकिन जांच के बाद डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया।

घटना की जानकारी मिलते ही मृतकों के परिवारों में कोहराम मच गया। देर रात बड़ी संख्या में ग्रामीण और परिजन अस्पताल पहुंच गए। पुलिस ने दोनों शवों को कब्जे में लेकर पंचनामा की कार्रवाई पूरी की और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हादसे के बाद फरार पिकअप वाहन और चालक की तलाश शुरू कर दी गई है। अकबरपुर थाना प्रभारी श्रीनिवास पांडेय ने बताया कि सड़क हादसे में दो युवकों की मौत हुई है। शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। मामले में आगे की विधिक कार्रवाई की जा रही है।

घर लौटते समय हुआ हादसा

जानकारी के अनुसार इब्राहिमपुर थाना क्षेत्र के डाढ़ी गांव निवासी 25 वर्षीय अंकित यादव और 19 वर्षीय हिमांशु सिंह गुरुवार रात बाइक से घर लौट रहे थे। रात करीब 10 बजे दोनों अकबरपुर थाना क्षेत्र के उकरा चनैनी भट्ठा के पास पहुंचे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार अज्ञात पिकअप वाहन ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों युवक सड़क पर गिर पड़े और उनके सिर में गंभीर चोटें आईं। हादसे के बाद आसपास के लोग मौके पर जुट गए और पुलिस को सूचना दी गई।

रहस्यमय मौत का राज़ः दुकान से घर तक और फिर सन्नाटा

11वीं के छात्र की अचानक तबीयत बिगड़ी

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर । जैतपुर थाना क्षेत्र में एक 11वीं कक्षा के छात्र की मौत ने पूरे इलाके को रहस्य में डाल दिया है। रामगढ़ गांव के विनोद मौर्य के इकलौते पुत्र दिव्यांशु की मौत साधारण बीमारी जैसी नहीं दिख रही, बल्कि पूरे मामले ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

गुरुवार देर शाम दिव्यांशु घर से निकला था और कुछ घंटों बाद उसकी तबीयत अचानक बिगड़ गई। इसके बाद जो घटनाक्रम सामने आया, वह कहानी को और उलझा देता है। परिजनों का आरोप है कि दिव्यांशु को उसके साथ पढ़ने वाला एक छात्र दुकान पर ले गया था। वहां दोनों ने कुछ खाया-पिया। इसके बाद वह सामान्य हालत में घर लौटा। लेकिन घर पहुंचते ही उसकी तबीयत तेजी से बिगड़ने लगी।कुछ ही देर में वह बदहवास हो गया और

स्थिति गंभीर हो गई। परिजन पहले उसे स्थानीय चिकित्सक के पास लेकर पहुंचे। डॉक्टर ने हालत नाजुक बताते हुए रेफर कर दिया। इसके बाद उसे कई अस्पतालों में ले जाया गया, लेकिन किसी भी जगह उसकी जान नहीं बच सकी और उसे मृत घोषित कर दिया गया।मौत का कारण अभी स्पष्ट नहीं है, जिससे मामला और भी संदिग्ध बन गया है।

दिव्यांशु अपने माता-पिता का इकलौता पुत्र था। उसकी मौत की खबर मिलते ही घर में कोहराम मच गया। गांव में भी माहौल भारी हो गया। लोग परिवार को संभालने पहुंचते रहे, लेकिन सवालों का जवाब किसी के पास नहीं था।

सम्पादकीय

पाक में पलते आतंकी

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में भारत के लिए खतरा बने एक और आतंकी सरगना हमजा बुरहान का मारा जाना यही बताता है कि ऐसे आतंकियों को ठिकाने लगाने वाले अज्ञात बंदूकधारी अपने काम पर लगे हुए हैं। पुलवामा का रहने वाला हमजा पाकिस्तान पढ़ने के लिए गया था, लेकिन वहां जाकर वह आतंकी संगठन अल बद्र का गुर्गा बन गया और कश्मीरी युवाओं को आतंक के रास्ते पर चलने के लिए उकसाने लगा। पुलवामा आतंकी हमले में उसका भी हाथ था। हालांकि वह अपनी पहचान छिपाकर रह रहा था, लेकिन फिर भी अज्ञात बंदूकधारियों की निगाह से बच नहीं पाया। प्रश्न यह नहीं है कि इन अज्ञात बंदूकधारियों के पीछे कौन है? प्रश्न यह है कि आखिर पाकिस्तान भारत के लिए खतरा बने आतंकियों को पालने-पोसने से कब बाज आएगा? चूंकि वह बाज नहीं आ रहा है, इसलिए वहां पल रहे आतंकियों का येन-केन-प्रकारेण खात्मा ही भारत के हित में है। जब सीधी अंगुली से घी न निकले तो अंगुली टेढ़ी करनी ही पड़ती है और आतंकियों के खात्मे में तो साम-दाम-दंड-भेद यानी कोई भी जतन करने में हर्ज नहीं।यह अच्छा है कि भारत में आतंकी हमले कराने अथवा कश्मीरी युवाओं को भड़काने वाले आतंकियों के खात्मे का सिलसिला न केवल कायम है, बल्कि वह तेज होता हुआ भी दिख रहा है। यह इतना तेज होना चाहिए कि पाकिस्तान में पल रहे आतंकियों के साथ-साथ वहां के सत्ता प्रतिष्ठान को भी यह संदेश जाए कि भारत को क्षति पहुंचाने वाले सुरक्षित बचने वाले नहीं हैं। और भी अच्छा यह होगा कि भारत के लिए खतरा बने आतंकियों को पालने-पोसने और उन्हें हर तरह की मदद देने वालों तक भी अज्ञात बंदूकधारी पहुंचें। पिछले पांच-छह वर्षों से अब तक अज्ञात बंदूकधारियों की ओर से कम से कम दो दर्जन ऐसे आतंकियों का खात्मा किया जा चुका है, जिन्होंने भारत में आतंकी हमले कराए। इनमें जैश, लश्कर के कई आतंकी सरगना हैं। ऐसे शेष आतंकियों की लंबी सूची है। इनमें मसूद अजहर और हाफिज सईद जैसे आतंकी सरगना तो हैं ही, दाऊद इब्राहिम भी है। भारत विरोधी आतंकियों की लंबी सूची यही बताती है कि पाकिस्तान का सत्ता प्रतिष्ठान और विशेष रूप से उसकी खुफिया एजेंसी आइएसआइ इन आतंकियों को बिना किसी शर्म-संकोच पाल रही है, लेकिन अज्ञात बंदूकधारियों से वे लाहौर से लेकर पेशावर तक कहीं भी नहीं बच पा रहे हैं। उन्हें बचना भी नहीं चाहिए। पता नहीं ढीठ पाकिस्तान के लिए यह कितनी चिंता का विषय है कि उसके यहां पलते आतंकियों को कौन मार रहा है, लेकिन कम से कम भारत को इसे लेकर सतर्क रहना चाहिए कि पहलगाम हमले के बाद छेड़े गए आपरेशन सिंदूर में पस्त होने के बाद भी वह भारत में आतंकी हमलों की साजिश रचने में लगा हुआ है।

लहितकर कठिन

नदी कहती हैं कि यह तय करना कठिन है कि कब कहां आगे मेरा अंत है और कहां समुद्र का आरंभ? वह आज मेरा स्वरुप बदल रहा है। मेरे तटवर्ती प्रदेश बदल गए हैं । मुझ पर कई बांध नालें आदि- आदि बांधे जा रहे हैं। वह कितनों - कितनों को मेरे द्वारा पानी मिल रहा है वह खेतों में सिंचाईं आदि हो रही हैं । मेरा यह काम कठिन जरूर हैं पर हितकर हैं । इसका मुझे आत्मतोष हैं । हमारा मन अच्छे कर्मों में लगे । वह धर्म कमाई करने से मन शांत हो जाता हैं । हम सद्कर्मों से जीवन में अच्छे बीज बोएं।

> वह जब चिंतन में हम गहरे डूब जाते हैं तब हमको उसका नया हल मिल जाता हैं । हमारे मन में छिपी हुई हर हलचल समूची > मिट जायेगी । वह हमारा आत्मिक सुख की ओर बढ़ने का मार्ग प्रशस्त बनता हैं। आसान काम करना अच्छा है पर आसान हो या कठिन जो काम हितकर हो उस पर हमको ध्यान केन्द्रित करना चाहिए । नदी की तरह हमारे जीवन में भी कुछ काम कठिन तो होते हैं लेकिन वह बड़े लाभकारी होते हैं । हम काम करते हैं तो हमको चुनौतियां भी आती हैं वह उस समय धैर्य रखकर आगे बढ़ जायें यह सबसे महत्वपूर्ण हैं । परिस्थिति तो अपने आप मे एक ही होती है,सबके अलग- अलग नजरिये होते है कि वो उसको किस रूप में लेता है। वैसे काफी हद तक इसमें हमारे कर्म-संस्कार के कारण हमारे भावों से वो प्रभावित होती है, हम अपने होश में रहते हुए हर परिस्थिति के अनुकूल अपने आपको ढालने की कोशिश करें तो हम शान्तचित्त होकर आवश्यक कठिन काम में भी उसके मनोनुकूल हितकर परिणाम पाने में काफी हद तक सक्षम हो पाते हैं।हम कभी परिस्थिति को दोष देंकर ,उसके सामने घुटने न टेकें । हम उस कार्य के प्रति अपने सम्यक् पुरुषार्थ के द्वारा परिस्थिति के अनुसार अपने आपको सम्यक् नियोजन करें तो हमको सफलता मिलेगी ।

> प्रदीप छाजेड़

तपती धरती, झुलसता जीवनः हीटवेव की चुनौती

> दिल्ली, मुंबई, जयपुर और लखनऊ जैसे शहरों में रात का तापमान पहले की तुलना में लगातार बढ़ रहा है। गरीब बस्तियों में स्थिति और भी गंभीर है। वहां न हरित क्षेत्र हैं, न पर्याप्त जल आपूर्ति, न शीतलन के साधन। टीन की छतों वाले घर दिन में भट्टी बन जाते हैं।

वर्ष 2026 की गर्मी केवल एक मौसमीय घटना नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के सामने खड़ी एक गंभीर चेतावनी बनकर सामने आई है। अप्रैल-मई के दौरान भारत सहित दक्षिण एशिया के अनेक हिस्सों में पड़ी रिकॉर्ड हीटवेव ने यह स्पष्ट कर दिया है कि जलवायु परिवर्तन अब भविष्य का संकट नहीं, वर्तमान की भयावह वास्तविकता है। दिल्ली, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और मध्य भारत के अनेक क्षेत्रों में तापमान 46 से 48 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। कई शहरों में बिजली की मांग ने रिकॉर्ड तोड़ दिए। सड़कें सूनी दिखने लगीं, श्रमिकों का श्रम ठहरने लगा और बच्चों, बुजुर्गों तथा गरीब तबकों के सामने जीवन बचाने की चुनौती खड़ी हो गई। यह संकट अचानक नहीं आया। यह दशकों से प्रकृति के साथ किए गए असंतुलित व्यवहार, अंधाधुंध शहरीकरण, जंगलों की कटाई, संसाधनों के दोहन और सुविधावादी जीवनशैली का परिणाम है। प्रकृति ने बार-बार संकेत दिए, लेकिन विकास की अंधी दौड़ में हमने उन संकेतों को अनसुना किया। आज वही उपेक्षित चेतावनियां लू बनकर हमारे सामने खड़ी हैं। हीटवेव का सबसे बड़ा कारण केवल बढ़ता तापमान नहीं, बल्कि वह विकास मॉडल है जिसने धरती की प्राकृतिक ढाल को कमजोर कर दिया। जंगल सदियों से पृथ्वी के प्राकृतिक एयर कंडीशनर रहे हैं। वे कार्बन डाइऑक्साइड को अवशोषित करते हैं, वाष्पोत्सर्जन द्वारा वातावरण को शीतल रखते हैं और वर्षा चक्र को संतुलित बनाए रखते हैं। लेकिन विडंबना है कि विकास के नाम पर जंगलों का तेजी से विनाश हुआ। हर वर्ष लाखों हेक्टेयर वन क्षेत्र समाप्त हो रहे हैं। इसका परिणाम यह हुआ कि स्थानीय स्तर पर तापमान बढ़ा, नमी कम हुई, वर्षा चक्र प्रभावित हुआ और गर्म हवाओं की अवधि लंबी होती गई। आज शहर "कंक्रीट के जंगल" बन चुके हैं। महानगरों में हरित क्षेत्र सिकुड़ते जा रहे हैं और उनकी जगह सीमेंट, डामर और शीशे की ऊंची इमारतें ले रही हैं। इससे "अर्बन हीट आइलैंड" प्रभाव तेजी से बढ़ा है। शहर अब आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों की तुलना में कई डिग्री अधिक गर्म हो चुके हैं। कंक्रीट दिनभर सूर्य की ऊष्मा को सोखता है और रात में धीरे-धीरे छोड़ता है। परिणामस्वरूप रातें भी गर्म होती जा रही हैं और शरीर को राहत नहीं मिल पाती। गर्मी की मार सामाजिक असमानता को और गहरा करती है। अमीर वर्ग एयर कंडीशनर और बंद कमरों में राहत खोज लेता है, लेकिन मजदूर, रिक्शाचालक, रेहड़ी वाले और निर्माण कार्य में लगे श्रमिक खुले आसमान के नीचे झुलसते रहते हैं। विडंबना यह भी है कि गर्मी से राहत का सबसे लोकप्रिय साधन एयर कंडीशनर स्वयं संकट को बढ़ाने वाला कारक बनता जा रहा है। एक एयर कंडीशनर कमरे को ठंडा करता है, लेकिन बाहर उतनी ही गर्म हवा छोड़ता है। इसके साथ ही बिजली की खपत बढ़ती है, जिसका बड़ा हिस्सा अभी भी कोयला आधारित ऊर्जा से आता है। रेफ्रिजरेंट गैसें अतिरिक्त ग्रीनहाउस प्रभाव पैदा करती हैं। इस प्रकार एक दुष्चक्र निर्मित हो गया है- गर्मी बढ़ती है, एसी बढ़ते हैं, उत्सर्जन बढ़ता है और फिर गर्मी और बढ़ जाती है। जलवायु परिवर्तन का प्रभाव केवल तापमान तक सीमित नहीं है। यह कृषि, खाद्य सुरक्षा, स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था पर भी व्यापक असर डाल रहा है। वैज्ञानिक अध्ययनों से संकेत मिले हैं कि बढ़ती गर्मी और अनिश्चित मौसम के कारण गेहूं, धान और अन्य फसलों की उत्पादकता प्रभावित हो रही है। गर्म हवाएं पौधों की वृद्धि रोकती हैं, जल स्रोतों को सुखाती हैं और मिट्टी की उर्वरता को प्रभावित करती हैं। यदि यही स्थिति बनी रही तो आने वाले वर्षों में खाद्य संकट भी गहरा सकता है। स्वास्थ्य क्षेत्र पर भी इसका गंभीर प्रभाव दिख रहा है। लू लगना, निर्जलीकरण, हीट स्ट्रोक, हृदय रोग और मानसिक तनाव जैसी समस्याएं बढ़ रही हैं। अस्पतालों में गर्मी से जुड़ी बीमारियों के मरीजों की संख्या बढ़ रही है। सबसे अधिक खतरा बुजुर्गों, बच्चों, गर्भवती महिलाओं और बाहर काम करने वाले श्रमिकों को है। गर्मी का यह संकट सामाजिक और मानवीय संकट भी बन सकता है। जल स्रोतों के सूखने, कृषि संकट और जीवन परिस्थितियों के बिगड़ने से बड़े पैमाने पर पलायन बढ़ सकता है। जैव विविधता पर भी इसका गहरा प्रभाव पड़ रहा है। अनेक जीव-जंतु और वनस्पतियां अपने प्राकृतिक आवास खो रही हैं। हजारों प्रजातियों के अस्तित्व पर संकट मंडरा रहा है। ऐसी स्थिति में सरकारों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। केवल रेड अलर्ट और ऑरेंज अलर्ट जारी करना पर्याप्त नहीं है। हीटवेव को राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन के प्रमुख विषय के रूप में स्वीकार करते हुए दीर्घकालिक नीतियां बनानी होंगी। सबसे पहले शहरों में हीट एक्शन प्लान को प्रभावी ढंग से लागू करना होगा। प्रत्येक शहर में हरित क्षेत्र बढ़ाने, जल संरक्षण, छायादार मार्ग, सार्वजनिक प्याऊ और शीतलन केंद्रों की व्यवस्था आवश्यक है। स्कूलों, कॉलेजों और कार्यस्थलों के समय निर्धारण में क्षेत्रीय तापमान को ध्यान में रखा जाना चाहिए। तीखी दोपहर में श्रमिकों के लिए कार्यावधि सीमित की जाए और उनके लिए विश्राम तथा पेयजल की व्यवस्था अनिवार्य हो। सरकार को भवन निर्माण नीति में भी परिवर्तन लाना होगा। पारंपरिक भारतीय वास्तुकला-हवादार घर, आंगन, मिट्टी आधारित निर्माण, हरित छतें और प्राकृतिक वेंटिलेशन को बढ़ावा देना चाहिए। कांच की चमचमाती इमारतों और ऊष्मा अवशोषित करने वाले निर्माणों पर पुनर्विचार की आवश्यकता है। "कूल रूफ" तकनीक, वर्षा जल संचयन और सौर ऊर्जा आधारित शीतलन प्रणाली को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। वन संरक्षण और वृक्षारोपण केवल अभियान नहीं, राष्ट्रीय प्राथमिकता बनना चाहिए। शहरों में माइक्रो फॉरेस्ट, पार्क और हरित गलियारों का निर्माण किया जाए। जल निकायों और पारंपरिक तालाबों को पुनर्जीवित किया जाए क्योंकि वे स्थानीय तापमान नियंत्रण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। लेकिन केवल सरकारें यह लड़ाई नहीं जीत सकतीं। आम जनता को भी अपनी भूमिका समझनी होगी। हमें उपभोगवादी जीवनशैली पर पुनर्विचार करना होगा। पानी का संयमित उपयोग, ऊर्जा की बचत, वृक्षारोपण, सार्वजनिक परिवहन का उपयोग और स्थानीय पर्यावरण संरक्षण अब व्यक्तिगत विकल्प नहीं, सामाजिक जिम्मेदारी हैं। भारतीय समाज में कभी सार्वजनिक प्याऊ, छायादार विश्राम स्थल और जल सेवा की समृद्ध परंपरा थी। गर्मियों में राहगीरों के लिए जल की व्यवस्था पुण्य कार्य माना जाता था।

ललित गर्ग

जब शिक्षित युवा ...

डॉ0 ओ0पी0 मिश्र

युवाओं के आक्रोश का प्रकटीकरण सीजेपी

सीजेपी यानी कॉकरोच जनता पार्टी यह नाम भले ही किसी राजनीतिक दल का लगता हो और आप इससे इत्तेफाक करते हो या ना करते हो लेकिन मेरा अपना ऑब्जर-वेशन तो यही कहता है कि भारत के युवाओं के आक्रोश का प्रकटीकरण है। भारत के राजनीतिक दल मेरी इस बात से बिल्कुल सहमत नहीं होंगे खास तौर से सत्ता प्रतिष्ठान तो बिल्कुल ही सहमत नहीं होगा कि भारत के नवयुवकों में किसी तरह का असंतोष है या आक्रोश है? राजनीतिक दल और इसमें भी प्रमुख रूप से सत्ता प्रतिष्ठान इसलिए पूर्ण रूप से आश्वस्त है कि एक करोड़ नौजवान इसका कुछ बिगाड़ नहीं सकते । जानते हैं कि सत्ता प्रतिष्ठान ऐसा क्यों सोच रहा है या क्यों मान रहा है कि ये सो काल्ड कॉकरोच उसका कुछ नहीं बिगाड़ सकते? क्योंकि यह एक जुट नहीं बल्कि जातियों में बटे हुए हैं और आपस में बटा हुआ समाज कभी भी कोई बड़ा परिवर्तन नहीं कर सकता।

तभी तो तमाम भक्तगण यह कहते मिल जाएंगे कि चुनाव इंस्टाग्राम फॉलोअर्स की बदौलत नहीं जीते जा सकते। चुनाव जीतने के लिए रणनीति पैसा तथा मतदाताओं को किसी एक बिंदु पर एकजुट करने की कला की जरूरत होती है। इस सबके बावजूद मैं तो यही कहूंगा कि

युवाओं के सब्र का पैमाना पूरी तरह से झलक जाए उससे पहले उसे समझना होगा समझाना होगा और एक साफ सुथरा रास्ता दिखाना होगा जो मंजिल पर जाकर रुकता हो। मैं इस लेख के जरिए कॉकरोच जनता पार्टी का समर्थन बिल्कुल नहीं कर रहा हूं और ना ही सत्ता प्रतिष्ठान को कटघरे में खड़े करने का प्रयास कर रहा हूं। इतना जरुर कहना चाहता हूं की मन की बात के साथ ही जन की बात भी सुनी जानी चाहिए। क्योंकि एक तरफा घोषणाएं संवाद नहीं होती वह आदेश होते हैं। जिन्हें मानने को हर कोई बाध्य होता है । यही वह बाध्यता है जो आक्रोश और असंतोष को जन्म देती है । कहा गया है कि जो नेतृत्व कठिन प्रश्नों से बचता है वह अपने ही सामर्थ्य पर अविश्वास घोषित करता है। जबकि सत्ता प्रतिष्ठान का य। पहला पाठ है कि उसके समर्थक और विरोधी दोनों उस पर विश्वास करें । इस बात में कोई दो राय नहीं कि आज युवकों में तीव्र असंतोष व्याप्त है तभी तो यह युवक गम मिटाने के लिए दम लगाने की प्रक्रिया की ओर बढ़ रहे हैं। नशे का सेवन कर रहे हैं ताकि कुछ समय के लिए ही सही कम से कम उनके गम तो कम हो सके। आकर्षक नारे लगाकर पैसे को पानी की तरह बहा कर धार्मिक और जातीय उन्माद को बढ़ाकर चुनाव तो जीता जा सकता है। सत्ता तो प्राप्त की जा सकती है लेकिन लोगों का विश्वास नहीं प्राप्त किया जा सकता। यही विश्वास जब अविश्वास में बदलता है तथा चोटिल तथा भ्रमित बेरोजगारों को जब कॉकरोच जैसे गंदे शब्द से नवाजा जाता है तो कॉकरोच जनता पार्टी का जन्म होता है। जो 5 दिनों में देश की सत्ता दल पार्टी तथा प्रमुख विपक्षी पार्टी के फॉलोअर्स को भी पछाड़ देती है वैसे भी यह डिजिटल विरोध है लेकिन आने वाले समय में अगर इसने अवरोधों को तोड़कर नीति निर्माण सामाजिक आंदोलन में सकारात्मक राजनीतिक भागीदारी में भी कदम बढ़ा दिया तो दिक्कते हो सकती है। अगर गुस्सा तथा आक्रोश और असंतोष दिशा नहीं पता है तो वह यकीनन दिशा विहीन हो जाता है और दिशा विहीन व्यक्ति या समाज कुछ भी कर सकता है । जब शिक्षित युवा महंगाई, बेरोजगारी, नौकरी, पेपर लीक तथा सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी से आहत होकर व्यवस्था का मजाक उड़ाने लगे तो यह लोकतंत्र के लिए शुभ नहीं है। केवल लोक लुभावन और खोखे प्रचार से आप पढ़े-लिखे नौजवान की बेचैनी और बेचारगी को दूर नहीं कर सकते। मैं जानता हूं मानता हूं कॉकरोच जनता पार्टी अभी औपचारिक राजनीतिक दल नहीं है लेकिन उसने देश की राजनीति को एक आईना जरूर दिखा दिया है। यह आईना बताता है कि नई पीढ़ी अब वायदा नहीं परिणाम चाहती है ख्वाब नहीं हकीकत में जीना चाहती है। 2047 तक इंतजार करने के बजाय तत्काल निर्णय चाहती है। वह अवसर चाहती है, स्थिर भविष्य चाहती है और व्यवस्था में आमूल चूल परिवर्तन भी चाहती है। अच्छा होगा कि सत्ता प्रतिष्ठान तथा विपक्ष दोनों इन कॉकरोच की भावनाओं को समझने का प्रयत्न करें वरना तो आप सब जानते हैं कि घर से कॉकरोच को निकाल पाना आसान नहीं । यह आपकी नींद हराम कर देंगे।

आपका चैन छीन लेंगे।

डिजिटल क्रांति की मुख्यधारा से जुड़ता जनपद बरेली

उत्तर प्रदेश का ऐतिहासिक जनपद बरेली आज औद्योगिक और तकनीकी विकास के एक नए युग में प्रवेश कर रहा है जहां पारंपरिक उद्योगों के साथ-साथ सूचना प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति हो रही है। इस बदलाव की सबसे बड़ी आधारशिला सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क ऑफ इंडिया की स्थापना है जो स्थानीय युवाओं के सपनों को नई उड़ान देने के साथ-साथ क्षेत्र को एक बड़े आईटी हब के रूप में स्थापित कर रही है। भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय तथा प्रदेश सरकार के साझा प्रयासों से सीबीगंज, बरेली में आकार ले रहा यह केंद्र न केवल तकनीकी बुनियादी ढांचे को मजबूत कर रहा है बल्कि स्थानीय अर्थव्यवस्था को गति देने में एक बड़े माध्यम के रूप में उभरा है।

इस महत्वपूर्ण परियोजना के लिए प्रदेश सरकार द्वारा आवश्यक कदम उठाते हुए सीबीगंज क्षेत्र में दो एकड़ भूमि उपलब्ध कराई गई है। इस भूमि पर सरकारी निर्माण एजेंसी के माध्यम से लगभग अठारह करोड़ सत्ताइस लाख रुपये की भारी लागत से बाईस हजार वर्गफुट के भव्य और आधुनिक क्षेत्र का विकास किया गया है। यह पूरा परिसर आधुनिक वास्तुकला और तकनीकी आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है जो अब अपनी पूर्णता की ओर है। जिला प्रशासन के निरंतर सहयोग और कुशल प्रबंधन के कारण इस केंद्र का निर्माण कार्य तीव्र गति से संपन्न हुआ है और अब यह पूरी तरह क्रियाशील होने के अंतिम चरण में है।

यह सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क केवल एक बहुमंजिला इमारत नहीं है बल्कि यह आधुनिक सुविधाओं का एक ऐसा स्थल है जो वैश्विक स्तर की सूचना प्रौद्योगिकी कंपनियों को बरेली की ओर आकर्षित करेगा। केंद्र के भीतर अत्याधुनिक इनक्यूबेशन स्पेस तैयार किया गया है जहां नए स्टार्टअप्स को अपने विचार धरातल पर उतारने का अवसर मिलेगा। इसके साथ ही

एक सुदृढ़ नेटवर्क ऑपरेशन सेंटर की स्थापना की गई है जिससे निर्बाध और उच्च गति की इंटरनेट कनेक्टिविटी सुनिश्चित होगी। यहाँ बड़ी तकनीकी बैठकों और सम्मेलनों के लिए भव्य ऑडिटोरियम, आधुनिक कॉन्फ्रेंस रूम और मीटिंग रूम का निर्माण किया गया है जहां राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के तकनीकी कार्यक्रमों का आयोजन सुगमता से किया जा सकेगा।

तकनीकी विकास की इस दौड़ में कार्यस्थल के माहौल को बेहतर बनाने के लिए परिसर में एक आधुनिक कैफेटेरिया और अन्य नागरिक सुविधाएं भी जोड़ी गई हैं। सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क ऑफ इंडिया द्वारा प्रदान की जाने वाली लीज्ड लाइन इंटरनेट सेवाएं और अन्य प्रशासनिक सुविधाएं इस केंद्र को देश के किसी भी बड़े महानगर के आईटी पार्क के समकक्ष बनाती हैं। इस केंद्र का सबसे बड़ा उद्देश्य स्थानीय स्तर पर सॉफ्टवेयर निर्यात को बढ़ावा देना और देश के भीतर ही नहीं बल्कि वैश्विक स्तर पर बरेली की एक नई पहचान बनाना है जो कि डिजिटल इंडिया अभियान के लक्ष्यों को पूरा करने में सहायक सिद्ध होगा। बरेली जैसे उभरते हुए टियर-टू शहर में इस तरह के सॉफ्टवेयर पार्क की स्थापना क्षेत्रीय विकास की समानता की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम है।

जरा हटके

इस योजना का लाभ...

निधि वर्मा, सूचना अधिकारी

जनपद बरेली की श्रीमती ममता कुमारी, मुख्यमंत्री स्वदेशी गौ-संवर्धन योजना से बनी आत्मनिर्भर

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा संचालित मुख्यमंत्री स्वदेशी गौ-संवर्धन योजना ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक प्रभावी पहल साबित हो रही है। इसी योजना का लाभ प्राप्त कर जनपद बरेली की तहसील नवाबगंज स्थित ग्राम बीजामऊ निवासी श्रीमती ममता कुमारी ने अपने जीवन में आर्थिक और सामाजिक बदलाव की नई मिसाल प्रस्तुत की है। सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने पशुपालन को अपनाकर सफलता की नई उड़ान भरी है। श्रीमती ममता कुमारी, पत्नी श्री छत्रपाल, कक्षा-8 तक शिक्षित हैं और गृहणी होने के साथ कृषि एवं पशुपालन कार्य से जुड़ी हुई हैं। वर्ष 2025-26 में मुख्यमंत्री स्वदेशी गौ-संवर्धन योजना के अंतर्गत उनका चयन किया गया। इस योजना के माध्यम से उन्होंने बाह्य प्रदेश से 02 स्वदेशी नस्ल की गायों का क्रय कर अपनी डेयरी इकाई स्थापित की। इकाई स्थापना के लिए उन्हें प्रदेश सरकार द्वारा रू0 80,000 की अनुदान राशि प्रदान की गई, जिससे उन्हें पशुपालन कार्य प्रारंभ करने में बड़ी सहायता मिली।

आज श्रीमती ममता कुमारी की डेयरी इकाई से प्रतिदिन लगभग 18 लीटर दूध का उत्पादन हो रहा है। वार्षिक स्तर पर उनका औसत दुग्ध उत्पादन लगभग 4320 लीटर तक पहुंच गया है। इस कार्य से उनकी वार्षिक आय लगभग रू0 3.79 लाख हो गई है तथा योजना से जुड़ने के बाद उनकी आय में लगभग रू0 1.50 लाख प्रतिवर्ष की वृद्धि दर्ज की गई है। इससे उनके परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है और जीवन स्तर में उल्लेखनीय सुधार आया है।

मुख्यमंत्री स्वदेशी गौ-संवर्धन योजना ने न केवल श्रीमती ममता कुमारी को आर्थिक रूप से सशक्त बनाया है, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर महिला के रूप में नई पहचान भी दिलाई है। आज वह अपने गांव की अन्य महिलाओं के लिए प्रेरणा स्रोत बन चुकी हैं। उनकी सफलता को देखकर क्षेत्र की अन्य महिलाएं भी पशुपालन एवं डेयरी व्यवसाय से जुड़ने के लिए उत्साहित हो रही हैं।

उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा पशुपालकों एवं ग्रामीण महिलाओं के लिए चलाई जा रही योजनाएं गांवों की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। मा0 मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार स्वदेशी नस्ल संरक्षण, दुग्ध उत्पादन वृद्धि और ग्रामीण रोजगार सृजन को लगातार बढ़ावा दे रही है। श्रीमती ममता कुमारी की सफलता इस बात का प्रमाण है कि सरकार की योजनाओं का लाभ लेकर ग्रामीण परिवार आत्मनिर्भर और समृद्ध बन सकते हैं।

श्रीमती ममता कुमारी और उनका परिवार मुख्यमंत्री स्वदेशी गौ-संवर्धन योजना के लिए उत्तर प्रदेश सरकार एवं माननीय मुख्यमंत्री जी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा है कि यह योजना ग्रामीण महिलाओं के सशक्तिकरण और पशुपालन आधारित स्वरोजगार को नई दिशा देने का कार्य कर रही है। इस योजना से हमारे परिवार की आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और हमारा परिवार आगे बढ़ेगा।

प्रदेश सरकार द्वारा संचालित मुख्यमंत्री स्वदेशी गौ-संवर्धन योजना के अंतर्गत बाह्य प्रदेशों से स्वदेशी उन्नत प्रजाति की गायों गिर, साहीवाल, थारपारकर एवं हरियाणा के क्रय पर पशुपालकों को अधिकतम 80 हजार रुपये तक का अनुदान प्रदान किया जाता है। इस योजना के तहत दो गायों की इकाई स्थापित करने पर कुल लागत का 40 प्रतिशत अथवा अधिकतम 80 हजार रुपये तक अनुदान अनुमन्य है। योजना में महिला गौपालकों को विशेष प्राथमिकता देते हुए निर्धारित लक्ष्य का 50 प्रतिशत महिला दुग्ध उत्पादकों एवं महिला गौपालकों के लिए आरक्षित किया गया है। योजना के अंतर्गत गाय के क्रय, परिवहन, ट्रांजिट बीमा (स्वैच्छिक), पशु बीमा, चारा काटने की मशीन तथा गायों के रखरखाव हेतु शेड निर्माण पर होने वाले व्यय को इकाई लागत में सम्मिलित किया जाता है।

इस योजना का लाभ उन्हीं दुग्ध उत्पादकों एवं पशुपालकों को मिलेगा जिनके पास पहले से दो से अधिक स्वदेशी उन्नत नस्ल की गायें नहीं होंगी। साथ ही क्रय की जाने वाली गाय प्रथम अथवा द्वितीय ब्यॉत की होना अनिवार्य होगा। मुख्यमंत्री स्वदेशी गौ-संवर्धन योजना का उद्देश्य प्रदेश में स्वदेशी गौवंश के संरक्षण, संवर्धन एवं दुग्ध उत्पादन को बढ़ावा देकर पशुपालकों की आय में वृद्धि करना है। उत्तर प्रदेश, जो पारंपरिक रूप से कृषि प्रधान राज्य के रूप में जाना जाता है, आज नवाचार और तकनीकी के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई दिशा देने में अग्रणी बन चुका है। राज्य सरकार द्वारा मत्स्य पालन के क्षेत्र में आधुनिक तकनीकों को बढ़ावा देने की नीति ने मत्स्य पालकों, किसानों और युवाओं की सोच और जीवन को बदलने का कार्य किया है। इसी परिवर्तन की एक प्रेरणादायक कहानी है जनपद बाराबंकी के निवासी श्री मो. आसिफ सिद्दीकी की, जिन्होंने अपने परिश्रम और सरकार के सहयोग से न केवल अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ किया, बल्कि अन्य लोगों के लिए भी रोजगार के अवसर उत्पन्न किए।

मो. आसिफ सिद्दीकी मूल रूप से उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जनपद के गंगवाड़ा क्षेत्र के निवासी हैं। उनका परिवार पारंपरिक रूप से कृषि कार्य से जुड़ा हुआ था। कम आय के कारण अनिश्चितता बनी रहती थी। इसी बीच उन्होंने अपने एक मित्र को मत्स्य पालन के क्षेत्र में अच्छा मुनाफा कमाते हुए देखा। इस अनुभव ने उनके मन में भी इस क्षेत्र में कदम रखने की प्रेरणा जगाई। शुरुआत में उन्हें इस क्षेत्र की तकनीकी जानकारी नहीं थी, लेकिन उन्होंने इसे अवसर के रूप में देखा और सीखने का निर्णय लिया।

श्री सिद्दीकी ने मत्स्य विभाग के अधिकारियों से सम्पर्क किया और जानकारी प्राप्त की कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा मत्स्य पालन को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इन्हीं योजनाओं के अंतर्गत मत्स्य विभाग द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रमों में आसिफ सिद्दीकी ने भाग लिया। उन्हें रीसर्कुलेटिंग एक्वाकल्वर सिस्टम जैसी आधुनिक तकनीक के बारे में जानकारी मिली, जो कम पानी में अधिक उत्पादन देने वाली प्रणाली है।

सरकार द्वारा प्रदान किए गए प्रशिक्षण ने उनके अंदर आत्मविश्वास जगाया।

पुराने और नए वाहनों के लिए कई कंपनियों व मॉडलों को मिली मंजूरी, फिटमेंट प्रक्रिया होगी आसान

यूपी में सार्वजनिक सेवा वाहनों में वीएलटीडी को लेकर बड़ा फैसला

वाहन स्वामियों को अधिक विकल्प देने के लिए कई कंपनियों के अनुमोदित वाहनों की सूची में विस्तार किया गया है।

निर्णय

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने सार्वजनिक सेवा वाहनों में व्हीकल लोकेशन ट्रैकिंग डिवाइस लगाने को लेकर बड़ा निर्णय लिया है। प्रदेश में यात्रा को सुरक्षित और पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से शासन ने 1 जनवरी 2019 से पहले और बाद में पंजीकृत सभी सार्वजनिक सेवा वाहनों के लिए कई नए विनिर्माताओं, मॉडलों और कंपनियों को मंजूरी दी है। इससे वाहन स्वामियों और ट्रांसपोर्टरों को VLTD फिटमेंट और एक्टिवेशन में अधिक सुविधा मिलेगी। यह

जानकारी परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि शासन ने नए निर्माताओं के पंजीकरण, पुराने मॉडलों में संशोधन और कुछ कंपनियों के क्षेत्राधिकार में बदलाव को मंजूरी प्रदान की है। Rosmerta Autotech Ltd की 'VTD-12' डिवाइस अब Mahindra और Renault के अलावा Honda Amaze Gen-2, Toyota Rumion, Urban Cruiser Hyryder और MG Motors के Hector व ZS EV मॉडलों में भी लगाई जा सकेगी।

परिवहन मंत्री की अपील

परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने सभी सार्वजनिक सेवा वाहन स्वामियों से अपील की है कि वे अपने वाहन निर्माता के अनुसार अधिकृत कंपनियों से ही संपर्क कर समय पर VLTD डिवाइस का फिटमेंट और एक्टिवेशन कराएं। साथ ही प्रदेश के सभी RTO और ARTO कार्यालयों को निर्देशों का सख्ती से पालन कराने और जनता को सहयोग देने के निर्देश जारी किए गए हैं।

Blackbox GPS Technology Pvt Ltd की 'TM77' और 'TM100' डिवाइस को अब Force Motors वाहनों के लिए भी मान्यता मिली है।

Watsoo Express Pvt Ltd की 'PRITHVI 140' और 'PRITHVI 140 4G' डिवाइस अब BMW India और Force Motors वाहनों में भी लग सकेंगी।

इन नई कंपनियों को मिली मंजूरी

सरकार ने विभिन्न वाहन निर्माताओं (OEMs) के लिए कई नई कंपनियों और उनके डिवाइस मॉडलों को अधिकृत किया है।

PSDN Technology Pvt Ltd की 'PSDN' डिवाइस को Stellantis वाहनों के लिए अनुमति मिली है।

Acute Communication Services Pvt Ltd की 'ACUTE 140' डिवाइस को PMI Electro Mobility वाहनों में लगाने की मंजूरी दी गई है।

APM Group Pvt Ltd की 'NIRBHAYAAN' डिवाइस और APM Kingstrack India Pvt Ltd की '1819001A' डिवाइस को भी PMI वाहनों के लिए पंजीकृत किया गया है। Uno Minda Limited की डिवाइस 'A883i' को अब Toyota के Innova Crysta और Innova Hycross मॉडलों के लिए भी अनुमोदन दिया गया है।

प्रकृति की विविधता ही जीवन की असली संपदा : केशव प्रसाद मौर्य

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने 'अंतर्राष्ट्रीय जैव विविधता दिवस' के अवसर पर प्रदेशवासियों एवं प्रकृति प्रेमियों को हार्दिक शुभकाम-नाएं देते हुए कहा कि "प्रकृति की विविधता ही जीवन की असली संपदा है। जैव विविधता का संरक्षण मानव जीवन और आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य के लिए अत्यंत आवश्यक है।"

उन्होंने कहा कि पेड़-पौधे, वन्य जीव, जल स्रोत एवं सूक्ष्म जीव मिलकर धरती पर जीवन का संतुलन बनाए रखते हैं। यदि किसी एक प्रजाति का अस्तित्व समाप्त होता है, तो उसका प्रभाव पूरे पर्यावरण तंत्र पर पड़ता है। इसलिए प्रकृति एवं जैव संसाधनों की रक्षा करना प्रत्येक नागरिक का दायित्व है। मौर्य ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं जैव विविधता संवर्धन हेतु निरंतर प्रभावी कार्य किए जा रहे हैं। विगत वर्षों में प्रदेश में 242 करोड़ से अधिक पौधों का रोपण किया गया है तथा जैव विविधता संरक्षण के लिए विभिन्न योजनाओं के माध्यम से जनभागीदारी सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने कहा कि सभी लोग अपने आसपास के पर्यावरण, जल स्रोतों, वन्य जीवों एवं हरियाली के संरक्षण हेतु सक्रिय भूमिका निभाएं।उप मुख्यमंत्री ने सभी नागरिकों से प्रकृति संरक्षण, वृक्षारोपण एवं पर्यावरण संतुलन बनाए रखने का संकल्प लेने का आह्वान किया है।

■ विश्व जैव विविधता दिवस पर उप मुख्यमंत्री ने दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

फास्ट न्यूज

मलिहाबाद में पुलिस सुरक्षा में जुमे की नमाज अदा

मलिहाबाद । लखनऊ के मलिहाबाद क्षेत्र में मस्जिद और कब्रिस्तान से जुड़े विवादित स्थल पर शुक्रवार को पुलिस सुरक्षा के बीच नमाज अदा की गई। इस घटना के बाद दूसरे पक्ष के लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया और प्रशासन से तत्काल कार्रवाई की मांग की। यह विवाद तब शुरू हुआ जब हाल ही में पासी समाज ने दावा किया कि यह स्थल प्राचीन 'महाराजा कंसा पासी' का किला है, जहां पूर्व में पूजा-अर्चना की जाती थी।

बिजली कटौती पर प्रदर्शन करने वाले 150 लोगों पर एफआईआर

लखनऊ। लखनऊ में भीषण गर्मी के बीच घंटों बिजली कटौती हो रही है। परेशान लोगों ने गुरुवार रात में भी कई पावर हाउसों का घेराव किया। जगह-जगह प्रदर्शन हुए। बिजली विभाग के अफसर-कर्मचारियों से तीखी नोकझोंक हुई।

गुस्साए लोगों ने जमकर नारेबाजी की। पुलिस ने लोगों को किसी तरह से शांत कराया। गोमतीनगर सेक्टर 5 स्थित पावर हाउस पर रात में 3 घंटे से अधिक समय तक प्रदर्शन हुआ। आधी रात में जानकीपुरम पावर हाउस का घेराव करके नारेबाजी हुई।

लखनऊ में प्रचंड गर्मी, पिछले साल का रिकॉर्ड टूटा

लखनऊ। लखनऊ में पिछले साल की गर्मी का रिकॉर्ड टूट गया है। गुरुवार को सीजन का सबसे अधिक तापमान 43.6 डिग्री रहा। पिछले साल मई में अधिकतम तापमान 42.4 डिग्री दर्ज किया गया था। आज सुबह से भीषण गर्मी पड़ रही है। मौसम विभाग का अनुमान है कि आज लखनऊ का अधिकतम तापमान 45 डिग्री और न्यूनतम तापमान 29 डिग्री रहने की संभावना है।

निर्माण कार्यों की गुणवत्ता व समयबद्ध पूर्णता सुनिश्चित करने के दिए निर्देश

प्रशिक्षण गुणवत्ता सुधार और आधुनिक संसाधनों पर जोर, छात्रों से किया संवाद

तमसा संकेत, संवाददाता

कानपुर नगर / लखनऊ । प्रदेश के व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिल देव अग्रवाल ने शुक्रवार को राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, पाण्डुनगर, कानपुर नगर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने संस्थान में संचालित विभिन्न व्यवसायों, प्रशिक्षण व्यवस्थाओं एवं उपलब्ध संसाधनों का गहन अवलोकन किया। मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे प्रशिक्षार्थियों से संवाद कर उनके कौशल विकास, प्रशिक्षण अनुभव एवं भविष्य की रोजगार संभावनाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने विद्यार्थियों को तकनीकी शिक्षा के माध्यम से आत्मनिर्भर बनने और उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप अपने कौशल को विकसित

करने के लिए प्रेरित किया। निरीक्षण के दौरान मंत्री अग्रवाल ने संस्थान में प्राप्त समस्याओं को गंभीरता से सुना और उनका स्थलीय अवलोकन करते हुए संबंधित अधिकारियों को शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षार्थियों को बेहतर प्रशिक्षण वातावरण, आधुनिक संसाधन एवं गुणवत्तापूर्ण सुविधाएं उपलब्ध कराना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।

इसके साथ ही मंत्री अग्रवाल ने संस्थान परिसर में चल रहे निर्माण कार्यों से संबंधित अभिलेखों एवं पत्रावलियों का भी अवलोकन किया। उन्होंने निर्माण कार्यों की गुणवत्ता, पारदर्शिता एवं समयबद्ध पूर्णता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए, ताकि भविष्य में छात्रों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। उन्होंने कहा कि कौशल विकास संस्थानों का उद्देश्य केवल प्रशिक्षण देना नहीं, बल्कि युवाओं को रोजगारपरक एवं व्यवहारिक ज्ञान प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। इसी दिशा में सभी प्रशिक्षण संस्थानों को और अधिक प्रभावी ढंग से कार्य करने की आवश्यकता है। निरीक्षण के दौरान संयुक्त निदेशक आर. के. मौर्य, प्रधानाचार्य हरीश मिश्रा, प्रधानाचार्य मयंक मिश्रा, मीडिया प्रभारी अजय कुमार द्विवेदी, संदीप कुमार, मोहित श्रीवास्तव सहित विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

प्रवासी भारतीयों से लेकर आम ग्रामीण तक, अपनी पंचायत के विकास में दे रहे योगदान

अपनी पंचायत के विकास में आगे आ रहा समाज

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की पंचायतें केवल प्रशासनिक इकाइयां नहीं, बल्कि जनभागीदारी, सामाजिक उत्तरदायित्व और सामुदायिक विकास की मजबूत पहचान बनती जा रही हैं। अपनी मिट्टी, अपने गांव और अपनी पंचायत के प्रति लोगों का बढ़ता जुड़ाव विकास कार्यों में भी स्पष्ट दिखाई दे रहा है। यही भावना "मातृभूमि योजना" को एक सामान्य सरकारी योजना से आगे बढ़ाकर जनसहभागिता के सशक्त अभियान के रूप में स्थापित कर रही है। प्रदेश के 11 जनपदों में अब तक 21 परियोजनाएं पूर्ण हो चुकी हैं, जिनकी कुल लागत लगभग 2.74 करोड़ है। वहीं 10 जनपदों में लगभग 3.16 करोड़ लागत की 13

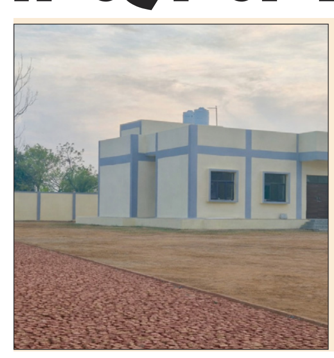

11 जनपदों में 2 करोड़ 74 लाख से अधिक की 21 परियोजनाएं पूर्ण। मातृभूमि योजना केवल योजना नहीं, समाज और पंचायत के बीच विश्वास का मजबूत अभियान- मा. पंचायती राज मंत्री

परियोजनाएं वर्तमान में प्रगतिशील हैं। इसके अतिरिक्त 17 जनपदों से लगभग 3.16 करोड़ लागत की 33 नई परियोजनाएं प्रस्तावित हैं। यह आंकड़े केवल विकास कार्यों की संख्या नहीं, बल्कि पंचायतों के प्रति समाज में बढ़ रहे विश्वास और सहभागिता की भावना को भी दर्शाते हैं। मातृभूमि योजना के अंतर्गत सी.सी. रोड, इंटरलॉकिंग रोड, स्ट्रीट लाइट, सीसीटीवी कैमरा स्थापना, खेल परिसर, शेड एवं फेंसिंग, डिजिटल सुविधाएं तथा ART Academy जैसी जनोपयोगी परियोजनाओं को प्राथमिकता दी जा रही है। इन कार्यों के माध्यम से पंचायतों में आधारभूत सुविधाओं के साथ-साथ सामाजिक, सांस्कृतिक एवं डिजिटल विकास को भी नई दिशा मिल रही है।

समाज और पंचायत के बीच विश्वास, सहभागिता और जिम्मेदारी को मजबूत करने का अभियान

मा० पंचायती राज मंत्री श्री ओमप्रकाश राजभर ने कहा कि मातृभूमि योजना केवल विकास कार्यों की योजना नहीं, बल्कि समाज और पंचायत के बीच विश्वास, सहभागिता और जिम्मेदारी को मजबूत करने का अभियान है। जब समाज स्वयं अपनी पंचायत के विकास के लिए आगे आता है, तब विकास योजनाएं जनआंदोलन का स्वरूप ले लेती हैं। उत्तर प्रदेश सरकार पंचायतों को आत्मनिर्भर, आधुनिक और जनसुविधाओं से युक्त बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

उक्त के पश्चात मंत्री जी ने कहा कि संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी स्पष्ट रूप से समझ लें

'गरीबो का हक छीनने वालों के खिलाफ होगी सख्ती'

■ प्रदेश में खाद्य एवं रसद व्यवस्था को मजबूत, पारदर्शी और भ्रष्टाचार मुक्त बनाने के लिए अभियान चलाकर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, गरीबो का हक छीनने वालों के खिलाफ कानून पूरी सख्ती से काम करेगा - मंत्री मनोज पांडेय

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। माननीय कैबिनेट मंत्री श्री मनोज कुमार पांडेय जी द्वारा खाद्य एवं रसद विभाग तथा नागरिक आपूर्ति व्यवस्था के मद्देनजर संबंधित अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि किसी भी प्रकार की कालाबाजारी, घटतौली, जमाखोरी, अवैध वसूली और गरीबों के अधिकारों में बाधा डालने वालों के खिलाफ प्रदेश सरकार कठोर कार्रवाई करेगी। मंत्री जी द्वारा स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा गया कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली, खाद्यान्न वितरण और उपभोक्ता हितों से जुड़े मामलों में किसी प्रकार की अनियमितता कदापि बर्दाश्त नहीं की जाएगी। गरीबों के राशन पर डाका डालने वाले, तौल में चोरी करने वाले और सरकारी व्यवस्था को नुकसान पहुंचाने वाले अराजक

तत्वों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराते हुए कठोर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। आवश्यकता पड़ने पर जेल भेजने की कार्रवाई भी सुनिश्चित की जाएगी।

उक्त के पश्चात मंत्री जी ने कहा कि संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी भी यह स्पष्ट रूप से समझ लें कि लापरवाही, भ्रष्टाचार, संरक्षण देने या शिकायतों की अनदेखी करने की स्थिति में जवाबदेही तय होगी। दोषी पाए जाने पर किसी को बख्शा नहीं जाएगा। जनता को पारदर्शी, ईमानदार और जवाबदेह व्यवस्था उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता है। गरीब, किसान, मजदूर और पात्र लाभार्थी का अधिकार सुरक्षित रखना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। प्रदेश में खाद्य एवं रसद व्यवस्था को मजबूत, पारदर्शी और भ्रष्टाचार मुक्त बनाने के लिए अभियान चलाकर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। गरीब का हक छीनने वालों के खिलाफ कानून पूरी सख्ती से काम करेगा।

माननीय मंत्री जी ने निर्देश देते हुए कहा कि ऑयल एजेंसियों द्वारा यह भी सुनिश्चित किया जाए कि तेल एव गैस की खपत को ध्यान में रखते हुए गैस पेट्रोलियम की आपूर्ति समस्त आउटलेट और गैस एजेंसी सुनिश्चित करें। जिससे बैकलॉग ज्यादा दिनों का ना रहे, तथा उपभोक्ताओं को समय से उचित मात्रा में पेट्रोलियम पदार्थ (पेट्रोल/डीजल) व गैस उपलब्ध हो सके।

आयुष मंत्री ने विभागीय अधिकारियों के साथ वर्चुअल समीक्षा बैठक की

आयुष क्षेत्र में औषधीय कृषि की अपार संभावना - डॉ दयाशंकर मिश्र 'दयालु'

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार के आयुष राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार)डॉ. दयाशंकर मिश्र 'दयालु' ने कल देर शाम अपने लखनऊ डालीबाग स्थित सरकारी आवास पर आयुष पॉलिसी, योग एवं आयुष सेवाओं की गुणवत्ता को लेकर वर्चुअल माध्यम से आयुष विभाग के अधिकारियों , चिकित्सकों एवं आयुष महाविद्या-लयों के प्रधानचार्यों के साथ समीक्षा बैठक की। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि आगामी 21 जून 2026 को मनाये जाने वाले अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के प्रचार - प्रसार को और अधिक प्रभावी ढंग से करें। जिससे कि अधिक से अधिक लोग योग से जुड़ सकें और योग के माध्यम से आम जनमानस स्वस्थ जीवन शैली को अपना सके।

आयुष मंत्री ने आयुर्वेद की महत्ता

के दृष्टिगत अधिकारियों को औषधीय पौधों की खेती को बढ़ावा देने पर विशेष जोर देने को कहा। उन्होंने कहा कि आयुष क्षेत्र में औषधीय कृषि की अपार संभावनाएं है। किसानों एवं सम्बन्धित संस्थाओं को औषधीय पौधों की खेती के प्रति और अधिक जागरूक करके उन्हें इस खेती से लाभ प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित किया जाए।

आयुष मंत्री ने आयुष महाविद्या-लयों को समय-समय पर सेमिनार, कार्यशाला एवं शैक्षणिक कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए, जिससे शोध कार्यों हेतु विद्यार्थियांे एवं चिकित्सकों को नवीन जानकारियां मिल सके।

■ डॉ दयालु ने अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि सभी चिकित्सालयों को अपनी ओटी (ऑपरेशन थियेटर) एवं अन्य स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक व्यवस्थित एवं बेहतर बनायें। उन्होंने पैथालॉजी एवं एक्स-रे सेवाओं की नियमित मॉनीटरिंग करने को कहा, जिससे कि मरीजों को बेहतर एवं स्वास्थ्य सुविधाएं सुलभ हो सकें।

वारदात : लखनऊ में डिप्टी सीएम ने हॉस्पिटल सील कराया, लाइसेंस कैसिंल कर जेल भेजा गया

ओटी में 12वीं की छात्रा से किया रेप

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में 12वीं की छात्रा से रेप का आरोपी डॉक्टर शुक्रवार को जेल भेज दिया गया। पीड़िता के मुताबिक, डॉक्टर ने उसके साथ ऑपरेशन थियेटर में रेप की वारदात की। मामले में डिप्टी सीएम के दखल के बाद स्वास्थ्य विभाग के अफसरों ने प्राइवेट हॉस्पिटल को सील करा दिया। डॉक्टर का लाइसेंस भी कैंसिल किया गया है। घटना बक्शी का तालाब के इंदौराबाग स्थित तेजस हॉस्पिटल की है। ब्रजेश पाठक ने मामले में X पर पोस्ट कर लिखा-उत्तर प्रदेश सरकार पीड़ित बिटिया व उसके परिवार के साथ है। मैं भरोसा दिलाता हूं कि आरोपी चिकित्सक को कड़ी से कड़ी से सजा दिलाई जाएगी। आरोपी का लाइसेंस तत्काल निलंबित करने एवं

■ डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग ने तेजस हॉस्पिटल को सील कर दिया।

■ पुलिस ने पीड़िता का मेडिकल चेकअप भी कराया।

आयुर्वेदिक डिग्रीधारक है डॉक्टर विजय गिरी

पुलिस की जांच में सामने आया है कि डॉ. विजय गिरी ने किराए की बिल्डिंग लेकर 2022 में तेजस हॉस्पिटल खोला था। उसके पास आयुर्वेदिक चिकित्सा की डिग्री है। वह अपने हॉस्पिटल में एलोपैथिक दवाओं से इलाज कर रहा था। स्वास्थ्य विभाग के अफसर मामले की जांच करने में जुटे हैं।

डिग्री को जब्त करने हेतु आयुर्वेदिक विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं। आरोपी डॉ. विजय कुमार गिरी ने झांसी से बीएएमएस किया था। वह खुद को एमबीबीएस डॉक्टर बता कर हॉस्पिटल चला रहा था।

3 दिन से हॉस्पिटल में भर्ती थी छात्रा

पीड़िता के पिता के मुताबिक, उनकी बेटी को मिर्गी के दौरे पड़ते थे। उसे इलाज के लिए 19 मई को तेजस हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। 21 मई को हॉस्पिटल में दोपहर करीब 3 बजे बेटी को अचानक सांस लेने में दिक्कत हुई। ऑक्सीजन लगाने के बहाने डॉ. विजय गिरी बेटी को ऑपरेशन थिएटर में ले गया। उसके साथ बड़ी बेटी और एक नर्स भी गई थी। लेकिन कुछ ही देर बाद डॉ. विजय गिरी ने नर्स और बड़ी बेटी को बाहर भेज दिया।

पिता बोले- बेहोशी का इंजेक्शन देकर रेप किया

पिता ने पुलिस को बताया कि डॉ. विजय गिरी ने बेटी की कलाई में लगे वीगो से उसे बेहोशी का इंजेक्शन दिया। इसके बाद बेटी को कुछ होश नहीं रहा। कुछ देर बाद जब होश आया तो वह ऑपरेशन थिएटर से भागते हुए बाहर आई। उसने रोते हुए हम लोगों को बताया कि डॉक्टर ने उसके साथ रेप किया है। इसके बाद हम लोगों ने घटना की शिकायत पुलिस से की। पीड़िता ने पुलिस को दिए बयान में कहा- डॉक्टर ने इलाज के बहाने पहले गंदी नीयत से शरीर पर हाथ लगाया। ओटी में मेरे साथ गई बहन को बाहर कर दिया। फिर बेहोशी का इंजेक्शन देने के बाद दुष्कर्म किया।

राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत रू 13 करोड़ से अधिक की धनराशि की स्वीकृति की गयी प्रदान

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य के निर्देशों के क्रम मे उत्तर प्रदेश शासन द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 में एन०आर०एल०एम० योजनान्तर्गत एस०एन०ए० स्पर्श माडयूल के अंतर्गत भारत सरकार द्वारा स्वीकृत मदर सैक्शन के सापेक्ष अनुदान सं0-81 (अनुसूचित जन जाति मद) के अंतर्गत केन्द्रांश की धनराशि रू0 826.54 लाख के सापेक्ष राज्यांश की धनराशि रू0 551.027 लाख इस प्रकार कुल रू0 1377.567 लाख (रुपये तेरह करोड़ सतहत्तर लाख छप्पन हजार सात सौ मात्र) को अवमुक्त कर आयुक्त, ग्राम्य विकास के निवर्तन पर रखे जाने एवं व्यय किये जाने की स्वीकृति निर्धारित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन प्रदान की गयी है।

हजरतगंज चौराहे पर सरकार विरोधी नारेबाजी

पुलिस पर अभद्रता और जबरन गिरफ्तारी का आरोप

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के युवा प्रकोष्ठों के कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार को नीट पेपर लीक, बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और डीजल-पेट्रोल की कीमतों में बढ़ोतरी के विरोध में राजधानी के हजरतगंज चौराहे पर जोरदार प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए युवाओं के भविष्य और आम जनता पर बढ़ते आर्थिक बोझ को लेकर नाराजगी जताई।

प्रदर्शन कर रहे युवाओं का आरोप है कि पुलिस ने प्रदर्शन के दौरान उनके साथ अभद्रता की और कई कार्यकर्ताओं को सड़क पर घसीटा गया, जिससे कई नौजवान घायल हो गए। प्रदर्शनकारियों को जबरन गिरफ्तार कर बसों के माध्यम से इको गार्डेन भेज दिया गया।

प्रदर्शन में पूर्व जिलाध्यक्ष राम प्रकाश मौर्य, राज साहनी, आशुतोष आशू, इं. अभिषेक सिंह यादव, शिवशंकर लोधी, अंकुश यादव, राज कुमार गौतम, अखिलेश यादव, कुणाल मौर्या, राज यादव, प्रवेश यादव, सौमित्र, प्रवेश कुमार, पंकज कुशवाहा, मुलायम सिंह यादव, संवरिया शिवम यादव और रवि प्रकाश समेत बड़ी संख्या में युवा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

मैहर देवी जा रहे पिता और दो बेटों की मौत

प्रयागराज में 100 की स्पीड में कार से टकराई एक्सयूवी, गेट तोड़कर शव निकाले, 6 जख्मी

हादसा

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज। प्रयागराज-रीवा हाईवे पर शुक्रवार सुबह दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार एक्सयूवी कार डिवाइडर पार कर दूसरी लेन में पहुंच गई और सामने से आ रही अर्टिगा कार से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि अर्टिगा कार का अगला हिस्सा पूरी तरह पिचक गया और एक्सयूवी पलट गई। हादसे में अर्टिगा सवार पिता और उसके दो बेटों की मौत हो गई। वहीं 6 लोग घायल हो गए। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। राहगीरों ने दौड़कर दोनों गाड़ियों से घायलों को बाहर निकाला। अर्टिगा चालक दरवाजे में फंस गया था, जिसे लोगों ने दरवाजा तोड़कर बाहर निकाला।

सभी घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने पिता और उसके दो बेटों को मृत घोषित कर दिया। बताया जा रहा है कि परिवार मध्य प्रदेश में मैहर देवी के दर्शन करने जा रहा था, लेकिन रास्ते में ही हादसे ने पूरे परिवार की खुशियां छीन लीं। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, एक्सयूवी की रफ्तार करीब 100 किलोमीटर प्रति घंटा थी। हादसा शुक्रवार सुबह करीब 10:30 बजे नैनी नए पुल स्थित लेप्रोसी चौराहे के पास हुआ। फाफामऊ शांतिपुरम निवासी 45 वर्षीय दीपक चौरसिया अपने परिवार के साथ अर्टिगा कार से मध्य प्रदेश के मैहर देवी दर्शन के लिए निकले थे। कार में उनके बेटे दिव्यांशु चौरसिया (20) और मान चौरसिया उर्फ हर्षित (17), बेटी हर्षिता, बहनोई अनिल चौरसिया (55) और बहन बेबी चौरसिया (50) भी सवार थे।

> प्रयागराज-रीवा हाईवे पर लेप्रोसी चौराहे के पास महोबा की तरफ से आ रही तेज रफ्तार एक्सयूवी अचानक डिवाइडर पार कर दूसरी लेन में पहुंच गई और दीपक की अर्टिगा कार से भिड़ गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि अर्टिगा कार के परखच्चे उड़ गए। वहीं एक्सयूवी सड़क पर पलट गई।

सीटों के बीच फंसा दीपक का शव

हादसे के बाद आसपास के गांवों के लोग और राहगीर दौड़कर मौके पर पहुंचे। घायलों को कार से बाहर निकालना शुरू किया। पुलिस व एंबुलेंस को सूचना दी। कार चला रहे दीपक चौरसिया का शव सीटों के बीच बुरी तरह फंस गया। कार के दरवाजे जाम हो गए। गांव वालों ने काफी मशक्कत के बाद गेट तोड़कर उन्हें बाहर निकाला। इस दर्दनाक हादसे में दीपक चौरसिया और उनके दोनों बेटों की मौत हो गई। वहीं दीपक की बेटी हर्षिता, बहन बेबी चौरसिया और बहनोई अनिल चौरसिया गंभीर रूप से घायल हो गए। फिलहाल हर्षिता की हालत में सुधार होने पर उसे अस्पताल से रिलीफ दे दिया गया है। जबकि अनिल चौरसिया और उनकी पत्नी बेबी चौरसिया का इलाज कैंटोनमेंट अस्पताल में चल रहा है। दीपक चौरसिया दारागंज में कचौड़ी की छोटी दुकान चलाते थे।

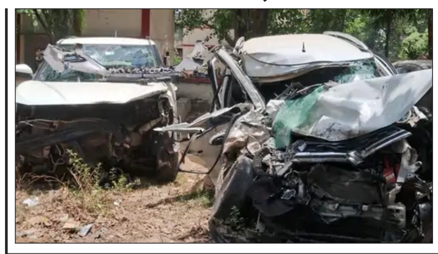

एमसीए छात्र चला रहा था एक्सयूवी

हादसे के बाद एक्सयूवी में सवार सुल्तानपुर के थाना कूड़ेभार क्षेत्र स्थित शंकर मार्केट गरथौली निवासी अर्पित कुमार यादव (20), महोबा के थाना महोबकंठ निवासी प्रिंस (21) और अंकित को घायल हालत में बाहर निकाला गया।

सभी घायलों को स्वरूप रानी नेहरू अस्पताल भेजा गया है। वहीं, डॉक्टरों ने दीपक चौरसिया और उनके दोनों बेटों दिव्यांशु व मान को मृत घोषित कर दिया। पुलिस के मुताबिक, एक्सयूवी अर्पित कुमार यादव चला रहा था। वह औद्योगिक क्षेत्र स्थित यूनाइटेड विश्वविद्यालय में एमसीए प्रथम वर्ष के द्वितीय सेमेस्टर का छात्र है। गाड़ी में उसके साथ प्रिंस और अंकित भी सवार थे।

कॉकरोच जनता पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके का आरोप

जान से मारने की मिल रही धमकी

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके को जान से मारने की धमकियां मिल रही है. दीपके ने सोशल मीडिया पर इसका दावा किया है. उन्होंने आरोप लगाया कि उनके परिवार को भी धमकी दी जा रही है. अभिजीत ने अपने एक्स अकाउंट पर एक वीडियो भी शेयर किया है, जिसमें एक युवक कथित तौर पर धमकी दे रहा है. इस वीडियो में एक युवक अभिजीत को चेतावनी देते हुए कह रहा है कि सीजेपी से कुछ नहीं होने वाला है. जैसे किचेन में रात को कॉकरोच पैरों से दब जाते हैं वैसे ही तेरे ये कॉकरोच भी दब जाएंगे. अभिजीत दीपके ने वीडियो शेयर करते हुए लिखा, "क्या अधिकारी इन धमकियों के खिलाफ कार्रवाई करेंगे?" इससे पहले सीजेपी के सोशल मीडिया पर तेजी से लोकप्रिय होने के मद्देनजर इसके संस्थापक

अभिजीत दीपके के माता-पिता ने आशंका जताते हुए कहा कि उनका बेटा मुसीबत में पड़ सकता है या उसे गिरफ्तार भी किया जा सकता है. अभिजीत के माता-पिता ने ये भी कहा कि वो नहीं चाहते हैं कि उनका बेटा राजनीति में आए। बता दें कि देशभर में कॉकरोच जनता पार्टी सुर्खियों में है. सीजेपी के एक्स अकाउंट को गुरुवार (21 मई) को भारत में बैन कर दिया गया था. इसके बाद 'कॉकरोच इज बैक' नाम से एक नया हैंडल भी बनाया गया है. चीफ जस्टिस सूर्यकांत ने कथित तौर पर बेरोजगार युवाओं की तुलना कॉकरोच और परजीवी से की थी।

फास्ट न्यूज

किडनी कांड में डॉ. दंपती समेत 3 की जमानत खारिज

कानपुर । कानपुर में किडनी कांड में फंसे आहूजा हॉस्पिटल के मालिक डॉ. सुरजीत सिंह आहूजा और उनकी पत्नी प्रीति आहूजा के साथ एजेंट शिवम अग्रवाल की जमानत अर्जी जिला जज अनमोल पाल की कोर्ट ने खारिज कर दी है। सुनवाई के दौरान बचाव पक्ष की ओर से तर्क रखा गया कि उन्हें झूठा फंसाया गया है, किडनी ट्रांसप्लांट कराने में उनकी कोई भूमिका नहीं है, जिसका अभियोजन की ओर से विरोध किया गया।

बाराबंकी में 132 केवी बिजली घर का ट्रांसफार्मर फुंका

बाराबंकी। उत्तर प्रदेश के बाराबंकी जिले के रामसनेहीघाट क्षेत्र में स्थित 132 केवी बिजली घर में देर रात एक बड़ा हादसा हुआ। यहां लगा करीब 28 वर्ष पुराना ट्रांसफार्मर अचानक तेज धमाके के साथ फुंक गया, जिसके बाद उसमें भीषण आग लग गई। आग की ऊंची लपटें पूरे पावर स्टेशन परिसर में फैल गईं। यह घटना रात करीब डेढ़ बजे हुई। भीषण गर्मी और बढ़ते ओवरलोड के कारण ट्रांसफार्मर में ओवरहीटिंग हुई, जिससे यह हादसा हुआ। बिजली घर में मौजूद कर्मचारियों ने तत्काल बिजली आपूर्ति बंद कर दमकल विभाग को सूचना दी।

फतेहपुर में बार-बेंच समन्वय बैठक, 15 मुद्दों पर चर्चा

फतेहपुर। बाराबंकी के फतेहपुर तहसील सभागार में शुक्रवार को बार-बेन्च समन्वय समिति की बैठक आयोजित की गई। एसडीएम कार्तिकेय सिंह ने बैठक की अध्यक्षता की। इसमें बार संघ द्वारा प्रस्तुत 15 सूत्रीय समस्याओं पर विस्तार से चर्चा हुई, जिस पर एसडीएम ने दो सप्ताह के भीतर अधिकांश मामलों में निर्णय लेते हुए समाधान का आश्वासन दिया।

मथुरा नगर निगम पहुंचा 'कॉकरोच'

यमुना प्रदूषण के खिलाफ अनोखा प्रदर्शन

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। यमुना नदी में गिरते गंदे नालों के विरोध में एक समाजसेवी युवक ने अनोखे अंदाज में प्रदर्शन किया। युवक कॉकरोच की वेशभूषा पहनकर नगर निगम कार्यालय पहुंचा, जिसे देखकर वहां मौजूद लोग हैरान रह गए। कुछ ही देर में लोगों की भीड़ जुट गई और कई लोगों ने अपने मोबाइल निकालकर वीडियो बनाना शुरू कर दिया।

कॉकरोच की ड्रेस पहने युवक नगर निगम परिसर में नाचते-गाते हुए पहुंचा और यमुना में गिर रहे गंदे पानी के खिलाफ नाराजगी जताई। युवक का कहना था कि जिस तरह गंदगी में कॉकरोच पनपते हैं, उसी तरह शहर और यमुना की हालत लगातार बदतर होती जा रही है।

उसने कहा कि यदि समय रहते व्यवस्था नहीं सुधरी तो आने वाले समय में हालात और गंभीर हो सकते हैं। समाजसेवी युवक के इस अनोखे प्रदर्शन ने नगर निगम अधिकारियों के साथ-साथ आम लोगों का भी ध्यान अपनी ओर खींचा। मौके पर मौजूद लोगों ने कहा कि यमुना प्रदूषण जैसे गंभीर मुद्दे पर प्रशासन को जल्द ठोस कदम उठाने चाहिए। नगर निगम पहुंचे इस "कॉकरोच प्रदर्शन" की चर्चा पूरे शहर में बनी हुई है।

गोरखपुर में युवक की सब्बल मारकर हत्या

गोरखपुर। गोरखपुर के हरपुर बुदहट क्षेत्र के भेउसा गांव में गुरुवार को पुरानी रंजिश में पटीदारों ने रामसेवक चौहान (30) पर सब्बल से हमला कर दिया। जिससे उसकी मौत हो गई। घटना में उसके माता-पिता भी घायल हो गए, जिनका मेडिकल कॉलेज में इलाज चल रहा है। मृतक के पिता सुराली चौहान हरपुर बुदहट थाने में चौकीदार हैं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को मेडिकल कॉलेज पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने रामसेवक को मृत घोषित कर दिया। परिजनों का आरोप है कि पुरानी रंजिश के चलते मृतक के चाचा शिवचरन, उनके बेटे रणविजय और आलोक समेत आधा दर्जन लोगों ने घेरकर हमला किया। मृतक के भाई का कहना है कि उसके चाचा बाहर से घर आए थे और योजनाबद्ध तरीके से अपने बेटों के साथ मिलकर सब्बल से हमला कर हत्या कर दी। साथ ही माता-पिता को भी दौड़ा-दौड़कर मारा। गांव के लोगों के अनुसार, दोनों पक्षों के बीच घरेलू विवाद और पट्टीदारी को लेकर लंबे समय से तनाव चला आ रहा था।

महोबा में दुष्कर्म पीड़ित से मिलने पहुंचे थे, योगी बोले- ये माफी भी मागने लायक नहीं

यूपी कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने प्रधानमंत्री को गाली दी

तमसा संकेत, एजेंसी

महोबा। यूपी कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय का एक वीडियो सामने आया है, जिसमें वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को गाली दे रहे हैं। अजय राय ने शुक्रवार को महोबा में गैंगरेप और अपहरण पीड़ित NEET छात्रा से मुलाकात की। इसके बाद जब वह वापस जाने के लिए अपनी कार में सवार हो रहे थे, तभी अपने एक कार्यकर्ता से उन्होंने पीएम मोदी के लिए आपत्तिजनक शब्द कहे।

अजय ने महोबा एसपी को भी गाली दी। उनकी यह पूरी बातचीत कैमरे में रिकॉर्ड हो गई और गाली देते हुए अजय राय का वीडियो वायरल हो गया।

अजय राय के खिलाफ भाजपा ने पलटवार किया है। सीएम योगी

आदित्यनाथ ने पीएम के खिलाफ अभद्र, असंसदीय और अक्षम्य टिप्पणी कांग्रेस के राजनीतिक कुसंस्कारों को दिखाती है। इससे पहले कांग्रेस के युवराज भी अपने कुसंस्कार का परिचय दे चुके हैं। कांग्रेस अब हताशा, निराशा, कुंठा और मानसिक दिवालियेपन के शीर्ष स्तर पर पहुंच चुकी है। अब देश वासियों से क्षमा मांगने लायक भी स्थिति उनकी नहीं रही है। भाजपा प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा, यह गांधीवादी कांग्रेस नहीं गालीवादी कांग्रेस बन चुकी है। इसलिए राहुल गांधी ने पहले प्रधानमंत्री को गद्दार कहा। और अब उन्हीं के निर्देश पर जिस तरह की भाषा अजय राय ने इस्तेमाल की है। 150 से अधिक गालियां प्रधानमंत्री को, उनके समाज, उनके परिवार, उनके माता-पिता को दी गई, यह इसलिए किया जाता है क्योंकि उनके पास प्रधानमंत्री के खिलाफ कोई असली मुद्दा नहीं है।

> 30 अप्रैल को छतरपुर निवासी छात्रा का अपहरण कर 16 दिनों तक बंधक बनाकर रखा गया, उसे नशीले इंजेक्शन दिए गए और सिगरेट से दागा गया। अजय राय ने पीड़िता के परिवार को आर्थिक मदद, 50 लाख रुपए मुआवजा और आरोपियों पर बुलडोजर कार्रवाई की मांग की।

भाजपा नेता बोले- कांग्रेस का यही स्तर है

भाजपा IT सेल के अध्यक्ष अमित मालवीय ने X पर लिखा, कुछ दिन पहले जब अजय राय अस्वस्थ थे, तब प्रधानमंत्री मोदी ने उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की थी। लेकिन आज वह अमर्यादित भाषा इस्तेमाल करते कैमरे में कैद हुए। यही कांग्रेस का स्तर है, जो शिष्टाचार का जवाब अभद्रता से देती है।

शिक्षा, शोध और तकनीकी सहयोग को लेकर 17 देशों के विशेषज्ञों ने की चर्चा

अंतरराष्ट्रीय मंच पर एमआईईटी की धमक

रूस में किया भारत का प्रतिनिधित्व

> सम्मेलन को संबोधित करते हुए डॉ. इगोर अलेक्सेयेव ने बताया कि इस सम्मेलन में भारत, तुर्कमेनिस्तान, किर्गिस्तान, कजाकिस्तान, ईरान और बेलारूस सहित 17 देशों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

तमसा संकेत, संवाददाता

मेरठ। एमआईईटी ने रूस में आयोजित अंतरराष्ट्रीय "यूरेशियन नेटवर्क ऑफ यूनिवर्सिटीज सम्मेलन" में भाग लेकर देश और संस्थान का गौरव बढ़ाया। यह सम्मेलन अस्त्राखान तातीश्चेव स्टेट यूनिवर्सिटी द्वारा आयोजित किया गया, जिसमें दुनिया के 17 देशों के विश्वविद्यालयों और शिक्षा विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया।

सम्मेलन में एमआईईटी के वाइस चेयरमैन पुनीत अग्रवाल एवं प्लेसमेंट निदेशक आकांक्षा अग्रवाल का विशेष सम्मान और स्वागत किया गया। भारत की ओर से उनकी भागीदारी को सम्मेलन में महत्वपूर्ण माना गया। इस अवसर पर पुनीत अग्रवाल ने कहा कि वर्तमान समय में वैश्विक शिक्षा को मजबूत बनाने के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग बेहद आवश्यक है। उन्होंने छात्र विनिमय कार्यक्रम, संयुक्त शोध, नई तकनीक और शिक्षा के क्षेत्र में देशों के बीच मजबूत संबंध विकसित करने पर जोर दिया।

कार्यक्रम के दौरान अंतरराष्ट्रीय शिक्षा, संयुक्त शोध परियोजनाओं, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सहयोग तथा विद्यार्थियों के लिए वैश्विक अवसरों को लेकर विस्तृत चर्चा हुई। सम्मेलन में एमआईईटी की सक्रिय भागीदारी को विशेष सराहना मिली।

राजाभैया-धनंजय समेत 50 बाहुबलियों की हाईकोर्ट ने क्राइम कुंडली मांगी

कहा- हथियारों के लाइसेंसों और सिक्योरिटी की भी जांच हो

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने राजा भैया, बृजभूषण, धनंजय सिंह समेत 50 से ज्यादा बाहुबलियों की क्राइम कुंडली यूपी सरकार से मांगी है। कोर्ट ने बाहुबलियों के गन लाइसेंस और सुरक्षा की भी जांच करने के आदेश दिए हैं। कोर्ट ने गृह विभाग के अफसरों को फटकार लगाते हुए 26 मई तक जांच रिपोर्ट जमा करने को कहा है। साथ ही गृह विभाग के ज्वाइंट सेक्रेटरी हलफनामा के साथ संबंधित जिलों के पुलिस अधिकारियों और कमिश्नरेट के कमिश्नरों की अंडरटेकिंग (लिखित जिम्मेदारी) भी देंगे। दरअसल, संत कबीरनगर के रहने वाले जयशंकर उर्फ बैरिस्टर ने गन लाइसेंस जारी करने में नियमों की अनदेखी का आरोप लगाते हुए हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। 18 मई को उनकी याचिका पर सुनवाई

करते हुए जस्टिस विनोद दिवाकर की बेंच ने यह दिया। 20 मई को यह आदेश हाईकोर्ट की वेबसाइट पर अपलोड हुआ। जस्टिस दिवाकर की बेंच ने कहा कि पहली नजर में कोर्ट की राय यह है कि खुलेआम हथियार दिखाने से भले ही प्रभुत्व, शक्ति और सुरक्षा का एहसास होता हो, लेकिन इससे समाज में आपसी भाईचारा बिगड़ता है। आम लोगों के मन में डर और असुरक्षा की भावना पैदा होती है। बेंच ने कहा कि कई बार लोग हथियार रखने को आत्मरक्षा के नाम पर सही ठहराते हैं, लेकिन जब हथियार डराने या धमकाने के लिए इस्तेमाल होने लगते हैं, तो वे सुरक्षा नहीं बल्कि डर बढ़ाते हैं।

सरकार का हलफनामा देख कोर्ट हैरान

सरकार की ओर से दाखिल हलफनामा देखकर हाईकोर्ट ने हैरानी जताई। गृह विभाग ने हलफनामे में बताया था कि इस समय प्रदेश में करीब 10 लाख से ज्यादा शस्त्र लाइसेंस जारी हैं। अभी भी 23 हजार से अधिक आवेदन लंबित पड़े हैं। 6 हजार से ज्यादा ऐसे लोगों को भी लाइसेंस दिए गए हैं, जिन पर दो या उससे अधिक आपराधिक मामले चल रहे हैं। इसके अलावा, प्रदेश में करीब 21 हजार परिवार ऐसे हैं, जिनके पास एक से ज्यादा शस्त्र लाइसेंस हैं। पुलिस और डीएम के फैसलों के खिलाफ 1,738 अपीलें अभी कमिश्नरों के पास लंबित हैं।

पृष्ठ 01 का शेष...

कोर्ट में सरेंडर करने...

भोपाल में मॉडल और एक्ट्रेस ट्विशा शर्मा (31) की संदिग्ध परिस्थितियों में 11 मई को मौत हुई थी। वह भोपाल के कटारा हिल्स स्थित बागमुगालिया एक्सटेंशन में रहने वालीं रिटायर्ड महिला जज गिरीबाला की बहू थीं। वह प्रेग्नेंट थी। ससुराल वालों ने फांसी लगाकर मौत की बात कही थी, जबकि मायके पक्ष ने पति समर्थ सिंह और ससुराल वालों पर हत्या का आरोप लगाया था।

ट्विशा की वॉट्सएप चैट भी वायरल हुई है। इसमें उसने लिखा "मुझे बहुत घुटन हो रही है मां ये लोग न रोने देंगे, न हंसने की वजह देंगे।"

सरकार ने हाईकोर्ट में अपील दायर कर ट्विशा की सास और रिटायर्ड जज गिरिबाला सिंह को दी गई जमानत रद्द करने की मांग की है। मामले की सुनवाई शुक्रवार को जस्टिस अवनींद्र सिंह की कोर्ट में होनी थी। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने मामले को डिवीजन बेंच को रेफर कर दिया। समर्थ के वकील जयदीप कौरव ने जबलपुर में कहा- कोर्ट के सामने ट्विशा के मामले में चार केस एक साथ लगे हुए थे। एक समर्थ की अग्रिम जमानत का आवेदन था। दूसरा ट्विशा के पिता की तरफ से दोबारा पोस्टमॉर्टम के लिए रिट याचिका थी। दो बेल कैंसिलेशन याचिका लगी थी, जो गिरिबाला की जमानत के खिलाफ थी।

उन्होंने बताया- कोर्ट ने इस मामले में नोटिस जारी किया है। उनसे जवाब मांगा है। अगली सुनवाई 25 मई को दोपहर 2:30 बजे होगी। उनको कोर्ट के सामने जवाब देना है। समर्थ की याचिका हमने वापस ले ली है।

दिसंबर 2025 में...

परिवार वालों के अनुसार, वह लगातार उनके साथ संपर्क में थी और मंगलवार रात अपनी मौत से कुछ ही समय पहले तक उसने उनसे बात की थी। उसके पिता ने आरोप लगाया कि घटना से करीब 30 मिनट पहले उसने उनसे बात की थी और अपने पति तथा सास द्वारा परेशान किए जाने की शिकायत की थी। परिवार ने यह भी आरोप लगाया कि उसने उन्हें बताया था कि उसके पति ने उसके साथ मारपीट की थी।

दुनिया के सबसे गर्म...

गर्मियों में पीने, नहाने, खाना पकाने और साफ-सफाई में भी पानी की खपत बढ़ जाती है। इसलिए 'जरूरत की खबर' में आज हम पानी स्टोर करने के आसान टिप्स समझेंगे। साथ ही जानेंगे- गर्मियों में पानी की किल्लत क्यों होती है और गर्मियों में घर में कितने पानी का स्टोरेज होना चाहिए?

राजस्थान में गंभीर हीटवेव का अलर्ट है। रातें भी गर्म रहेंगी। छत्तीसगढ़, हरियाणा, दिल्ली, मध्य प्रदेश, पंजाब, तेलंगाना, उत्तर प्रदेश और महाराष्ट्र में भी हीटवेव चलेगी।

असम, मेघालय, केरल, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, कर्नाटक और तमिलनाडु में भारी बारिश का अनुमान है।

बिहार, दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, पंजाब, राजस्थान और तेलंगाना में हीटवेव की स्थिति बनी रह सकती है। पश्चिम बंगाल, ओडिशा और तमिलनाडु के कुछ हिस्सों में गर्म और उमसभरा मौसम बना रह सकता है।

भारत का तीसरा...

अभी केवल रूस और UAE ने ही वेनेजुएला से ज्यादा तेल सप्लाई किया है। रिपोर्ट के मुताबिक इस महीने भारत को वेनेजुएला से होने वाली तेल सप्लाई अप्रैल के मुकाबले करीब 50 फीसदी बढ़ गई है।

केपलर के एनालिस्ट निखिल दुबे के मुताबिक भारतीय रिफाइनर लंबे समय से वेनेजुएला के तेल में दिलचस्पी दिखाते रहे हैं, क्योंकि यह सस्ता है और भारत के रिफाइनिंग सिस्टम के अनुकूल है। खास तौर पर गुजरात में रिलायंस की रिफाइनरी भारी तेल के लिए काफी अच्छी मानी जाती है।

उनके मुताबिक भारत की ज्यादातर रिफाइनरियां वेनेजुएलाई तेल सीमित मात्रा में ही प्रोसेस कर सकती हैं, लेकिन रिलायंस के पास ऐसी तकनीक है, जिससे उसे सबसे ज्यादा फायदा हो रहा है।

9 महीने बाद भारत...

पहली- मिडिल ईस्ट में युद्ध और होर्मुज स्ट्रेट संकट की वजह से सप्लाई प्रभावित हुई है। दूसरी- वेनेजुएला का भारी और हाई-सल्फर वाला कच्चा तेल सस्ता पड़ रहा है। रिलायंस जैसी भारतीय रिफाइनरियां इसे प्रोसेस करने में सक्षम हैं, इसलिए उन्होंने खरीद बढ़ा दी।

लखनऊ में 70...

जिला जज मलखान सिंह के डालीबाग स्थित आवास पर सभी जज इकट्ठा हुए। जिला जज के नेतृत्व में सभी जज सुबह 9 बजे साइकिल से कोर्ट के लिए निकले। इस दौरान सभी जजों ने आम लोगों को ईंधन बचत और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

अभियान में शामिल होने के लिए जिन जजों को साइकिल चलाना नहीं आता था, वे ई-रिक्शा से कोर्ट पहुंचे। वहीं, कई वकील भी इस पहल से जुड़े और साइकिल या ई-रिक्शा से अदालत पहुंचे।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव कुंवर मित्रेश सिंह कुशवाहा के अनुसार, इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बढ़ते ईंधन संकट के प्रति लोगों को जागरूक करना और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देना है। उन्होंने बताया कि यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

बेटियों को छेड़ा तो...

आज 'वन डिस्ट्रिक्ट, वन माफिया' नहीं, बल्कि 'वन डिस्ट्रिक्ट, वन मेडिकल कॉलेज' है। यह नए यूपी की पहचान है। आज कोई बेटी की सुरक्षा में सेंध नहीं लगा सकता। कोई व्यापारी से जबरन गुंडा टैक्स नहीं ले सकता। अब हमारा अन्नदाता किसान पलायन नहीं कर रहा है। गन्ना किसानों को प्रति क्विंटल गन्ने का दाम 400 रुपए दिया जा रहा है। उसकी उपज का पूरा दाम उसे मिल रहा है। आज हर गरीब को शासन की योजनाओं का लाभ मिल रहा है। अनुदेशकों और शिक्षामित्रों को कैशलेस स्वास्थ्य की सुविधा दी जा रही है।

सपा के समय मोहन सिंह सेतु के निर्माण के लिए टोकन मनी के तौर पर बहुत कम धनराशि दी गई। जिस पुल के निर्माण में 100 करोड़ से ज्यादा पैसा खर्च होना था, उसके लिए केवल 1 लाख रुपए दिए गए। हमने ब्रिज कॉरपोरेशन से कहा- हर हाल में सेतु का निर्माण समय से पूरा करने की तैयारी करो, जो पैसा लगेगा, वह वर्तमान सरकार देगी।

40 लाख से ज्यादा...

पुलिस अधिकारियों के निर्देशन में टीम ने अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई कर कुल 201 मोबाइल फोन बरामद किए।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि बरामद मोबाइल संबंधित लोगों को सत्यापन के बाद सौंपे गए। कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में लोग अपने मोबाइल लेने पहुंचे।

पुलिस लाइन सभागार में जब लोगों को उनके मोबाइल लौटाए गए तो कई लोगों ने पुलिस टीम का आभार जताया। कुछ लोगों के मोबाइल लंबे समय से गुम थे। मोबाइल वापस मिलने के बाद लोगों ने इसे राहत भरी कार्रवाई बताया।

मोबाइल रिकवरी अभियान में सर्विलांस सेल की भूमिका अहम रही। पुलिस अधिकारियों ने टीम के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि आगे भी गुम मोबाइलों की बरामदगी के लिए अभियान जारी रहेगा।

लखनऊ में पुलिस से...

कार्यकर्ताओं का आरोप है कि पुलिस ने सड़क पर घसीटा, इससे उनके कपड़े फट गए और हाथ छिल गए।

समाजवादी लोहिया वाहिनी के राष्ट्रीय सचिव आनंद यादव ने बताया कि भाजपा सरकार में लगातार महंगाई, बेरोजगारी और पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ रहे हैं। खाने-पीने की वस्तुएं भी लगातार महंगी होती जा रही हैं।

उन्होंने कहा कि 69 हजार शिक्षक भर्ती सहित कई भर्तियां पिछले कई वर्षों से लंबित हैं, लेकिन सरकार ओबीसी वर्ग के हक को लागू नहीं कर रही है और न ही उन्हें जॉइनिंग दे रही है।

गुजरात ने 89 रन से हराया, सुदर्शन, गिल और बटलर के अर्धशतक, तीन गेंदबाजों को 3-3 विकेट

पांच बार की चैंपियन चेन्नई प्लेऑफ रेस से हुई बाहर

मैच

अहमदाबाद, एजेंसी

पांच बार की IPL चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स लगातार तीसरे सीजन प्लेऑफ स्टेज से बाहर हो गई है। गुरुवार को गुजरात टाइटंस ने अपनी सबसे बड़ी जीत दर्ज करते हुए चेन्नई को 89 रन से हराया। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी गुजरात ने 20 ओवर में 4 विकेट पर 229 रन बनाए। जवाब में चेन्नई की टीम 13.4 ओवर में 140 रन पर ऑलआउट हो गई।

आखिरी ओवरों में जोस बटलर ने 27 गेंदों में नाबाद 57 रन ठोके। वहीं वॉशिंगटन सुंदर ने 3 गेंदों में 7 रन बनाए। चेन्नई की ओर से मुकेश कुमार, स्पेंसर जॉनसन और अंशुल कंबोज को 1-1 विकेट मिला। 12.4 ओवर में राशिद खान ने डेवाल्ड ब्रेविस को आउट कर अपना तीसरा विकेट हासिल किया।

> गुजरात के लिए साई सुदर्शन ने 53 गेंदों में 84 रन की शानदार पारी खेली, जिसमें 7 चौके और 4 छक्के शामिल रहे। कप्तान शुभमन गिल ने भी 37 गेंदों में 64 रन बनाए और दोनों ने पहले विकेट के लिए 125 रन की साझेदारी की।

धोनी के अगले सीजन को लेकर कुछ तय नहीं : गायकवाड

पोस्ट मैच प्रजेंटेशन में जब चेन्नई के कप्तान गायतवाड से जब पूछा गया कि क्या अगले सीजन में एमएस धोनी खेलते नजर आएंगे, तो उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा, इसका जवाब आपको और मुझे अगले साल ही पता चलेगा। गायकवाड ने माना कि धोनी की कमी टीम को काफी महसूस हुई। उन्होंने कहा कि धोनी जैसे खिलाड़ी आखिरी ओवरों में सिर्फ क्रीज पर मौजूद रहकर भी मैच का रुख बदल सकते हैं। हालांकि अगले सीजन को लेकर अभी कुछ तय नहीं है।

चेन्नई 140 रन ऑलआउट

13.4 ओवर में रबाडा ने जॉनसन को आउट कर चेन्नई की पारी खत्म कर दी। इसके साथ ही चेन्नई IPL 2026 से बाहर हो गई। रबाडा की गेंद पर जॉनसन के बल्ले का किनारा लगा और विकेटकीपर बटलर ने कैच पकड़ लिया। ऑन-फील्ड अपील पर ज्यादा प्रतिक्रिया नहीं थी, लेकिन गुजरात ने रिव्यू लिया और अल्ट्राएज में स्पाइक दिखने के बाद फैसला आउट करार दिया गया।

शिवम दुबे ने 17 बॉल पर 47 रन बनाए

चेन्नई की शुरुआत बेहद खराब रही और पहली ही गेंद पर संजू सैमसन बिना खाता खोले आउट हो गए। इसके बाद ऋतुराज गायकवाड ने तेज 16 रन बनाए, लेकिन मोहम्मद सिरान ने उन्हें भी पवेलियन भेज दिया। सिराज ने शानदार गेंदबाजी करते हुए 3 ओवर में 26 रन देकर 3 विकेट झटके। मैथ्यू शॉर्ट ने 24 रन बनाए, जबकि शिवम दुबे ने 17 गेंदों में 47 रन की पारी खेलकर कुछ देर मुकाबले में टीम की वापसी कराने की कोशिश की, लेकिन ऐसा हुआ नहीं। अंशुल कंबोज ने भी 8 गेंदों में 19 रन बनाए, लेकिन दूसरे बल्लेबाज बड़ी साझेदारी नहीं कर सके। गुजरात की ओर से कगिसो राबाड और राशिद खान ने भी 3-3 विकेट लिए।

चेन्नई की बस देखने सड़क पर खड़ा रहता था : सुदर्शन

आज उनके खिलाफ खेलना खास

नई दिल्ली। गुजरात टाइटंस के बल्लेबाज साई सुदर्शन ने बताया कि एक समय ऐसा था, जब वह सिर्फ चेन्नई सुपर किंग्स की टीम बस देखने के लिए स्कूल के बाहर सड़क पर खड़े रहते थे। आज IPL में गुजरात का मुकाबला चेन्नई से होना है। मैच से पहले सुदर्शन ने जियोस्टार से बातचीत में अपनी भावनाएं साझा कीं।

सुदर्शन ने कहा, क्रीज पर समय बिताना हमेशा खास होता है, खासकर जब मैं चेन्नई के खिलाफ खेलता हूं। चाहे कुछ भी कहा जाए, चेन्नई के साथ मेरा एक गहरा भावनात्मक जुड़ाव है। मैं चेन्नई को खेलते हुए देखकर बड़ा हुआ हूं।

उन्होंने आगे कहा, हम स्कूल के पास सड़क पर सिर्फ उनकी टीम बस को गुजरते देखने के लिए खड़े हो जाया करते थे। वो यादें आज भी बेहद खास हैं। भगवान का शुक्रगुजार हूं कि मुझे चेन्नई के खिलाफ कुछ यादगार पारियां खेलने का मौका मिला।

सुदर्शन ने मई 2023 के IPL फाइनल में चेन्नई के खिलाफ 96 रन बनाए थे। यह उस सीजन की सबसे यादगार पारियों में गिनी जाती है। इसके बाद 2024 में सुदर्शन ने इसी टीम के खिलाफ अपना पहला IPL शतक लगाया। यह उनके करियर का बड़ा टर्निंग पॉइंट माना गया। कप्तान शुभमन गिल के साथ अपनी साझेदारी और समझ को लेकर सुदर्शन ने कहा, शुभमन एक मास्टरमाइंड हैं।

गुजरात का क्वालिफायर 1 खेलना पक्का

चेन्नई प्लेऑफ से बाहर होने वाली तीसरी टीम

सुदर्शन ने वैभव सूर्यवंशी को पीछे छोड़ा

नई दिल्ली, एजेंसी

गुजरात टाइटंस ने गुरुवार को अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में चेन्नई सुपर किंग्स को 89 रन से हरा दिया। इसके साथ ही चेन्नई प्लेऑफ की रेस से बाहर होने वाली तीसरी टीम बन गई है। उसके 14 मैच में 6 जीत के साथ 12 पॉइंट्स ही हुए। वहीं, गुजरात ने पहला प्लेऑफ यानी क्वालिफायर-1 खेलना पक्का कर लिया है।

गुजरात के 14 मैचों में 18 पॉइंट्स हो गए हैं। इससे यह तय हो गया कि गुजरात टॉप-2 से नीचे नहीं आएगी। आज बेंगलुरु का सामना हैदराबाद से होगा। अगर बेंगलुरु जीतती है तो वह क्वालिफायर-1 में गुजरात से खेलेगी। अगर हैदराबाद बहुत बड़े अंतर से जीतती है तो बेहतर नेट रन रेट के आधार पर टॉप-2 में आ सकती है। दोनों ही स्थिति में गुजरात का टॉप-2 में रहना पक्का है।

यहां से ऐसा नहीं हो सकता है कि दो टीमों के गुजरात से ज्यादा पॉइंट हो जाएं। अगर हैदराबाद जीतती भी तो तीन टीमों—गुजरात, बेंगलुरु और हैदराबाद के 18-18 पॉइंट्स होंगे। इस स्थिति में बेंगलुरु और हैदराबाद में से किसी एक का नेट रन रेट गुजरात से कम जरूर होगा। क्योंकि, आज एक का नेट रन रेट बढ़ेगा तो दूसरे का गिरेगा।

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु 18 पॉइंट्स और +1.065 नेट रनरेट के साथ पहले स्थान पर बनी हुई है। टीम पहले ही प्लेऑफ में पहुंच चुकी है। ज्यादा उम्मीद है कि टीम क्वालिफायर-1 में गुजरात से खेलेगी। दूसरी ओर अगर हैदराबाद 88 रनों से जीत हासिल कर लेती है तो वह टॉप पहुंच जाएगी और बेंगलुरु तीसरे स्थान पर फिसल जाएगी। वहीं, अगर हैदराबाद बाद में बैटिंग करती है तो उसे 150 के आस-पास का टारगेट करीब 11 ओवर में टारगेट चेज करना होगा।

आईपीएल में 10वीं बार सेंचुरी पार्टनरशिप, एक सीजन में 34 छक्के खाने का रिकॉर्ड भी बना

गिल और सुदर्शन ने की कोहली और डिविलियर्स की बराबरी

अहमदाबाद, एजेंसी

गुजरात टाइटंस ने IPL 2026 के 66वें मुकाबले में चेन्नई सुपर किंग्स को 89 रन से हरा दिया। यह चेन्नई की IPL इतिहास में सबसे बड़ी हार रही। मैच में शुभमन गिल और साई सुदर्शन ने पहली विकेट के लिए 10वीं बार शतकीय साझेदारी की। अंशुल कंबोज के नाम एक सीजन में सबसे ज्यादा छक्के खाने का अनचाहा रिकॉर्ड दर्ज हुआ।

गुजरात के ओपनर्स गिल और सुदर्शन ने पहले विकेट के लिए 125 रनों की साझेदारी की। इन दोनों ने टी-20 में 10वीं बार 100 या इससे रनों की साझेदारी की है। टी-20 क्रिकेट में इससे पहले विराट कोहली-एबी डिविलियर्स, बाबर आजम-मोहम्मद रिजवान और क्रिस गेल-कोहली ही 10 बार सेंचुरी पार्टनरशिप कर पाए हैं। गिल और सुदर्शन की ओपनिंग जोड़ी ने मेंस टी-20 क्रिकेट में सबसे कम 46 पारियों में 10वीं शतकीय साझेदारी की। दोनों ने चेन्नई के खिलाफ 125 रन जोड़े। क्रिस गेल और विराट कोहली की जोड़ी 63 पारियों में 10 सेंचुरी पार्टनरशिप के साथ दूसरे नंबर पर है। गिल और सुदर्शन ने IPL के लगातार दूसरे सीजन में 600 से ज्यादा रन बनाए। दोनों ने चेन्नई के खिलाफ फिफ्टी लगाई। गुजरात के ओपनर्स ने 2025 में भी 600 से ज्यादा रन बनाए थे। लगातार सबसे ज्यादा सीजन यह आंकड़ा पार करने वालों में क्रिस गेल, डेविड वार्नर, केएल राहुल और विराट कोहली शामिल हैं। इन खिलाड़ियों ने लगातार 3 सीजन 600 से ज्यादा रन बनाए थे। सुदर्शन ने IPL 2026 में लगातार 5वीं फिफ्टी लगाई। चेन्नई के खिलाफ उन्होंने 84 रन बनाए। सुदर्शन यह कीर्तिमान हासिल करने वाले चौथे खिलाड़ी हैं। उनसे पहले वीरेंद्र सहवाग, जोस बटलर और डेविड वॉर्नर लगातार 5-5 फिफ्टी लगा चुके हैं।

गिल ने टी-20 में 6 हजार रन पूरे किए

गिल ने मेंस टी-20 क्रिकेट में 6 हजार रन पूरे किए। उन्होंने 185 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की। गिल सबसे तेज 6 हजार रन पूरे करने वाले खिलाड़ियों की लिस्ट में 7वें नंबर पर हैं। क्रिस गेल 162 पारियों के साथ पहले नंबर पर हैं।

संजू दूसरी पारी में बैटिंग के लिए उतरे, हालांकि पहली गेंद पर आउट हुए।

> **66** आईपीएल में बतौर ओपनिंग जोड़ी सबसे ज्यादा रन बनाने के मामले में गिल और सुदर्शन दूसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। दोनों ने 1942 रन जोड़े हैं। उन्होंने विराट कोहली और फाफ डु प्लेसिस की जोड़ी को पीछे छोड़ा। डेविड वॉर्नर और शिखर धवन 2220 रन के साथ टॉप पर हैं।

मनोरंजन

कभी लुक्स-आवाज पर उड़ता था मजाक, एक्टिंग छोड़ने वाले थे, राजनीति में उतरे, अब सीएम हैं

थलापति विजय एक फिल्म का ₹275 करोड़ लेते थे

नई दिल्ली, एजेंसी

साउथ सुपरस्टार थलापति विजय की कहानी फिल्मों की सफलता के साथ संघर्ष, आलोचना, पारिवारिक विवाद और राजनीति तक पहुंचने की भी रही है। करियर की शुरुआत में उनके लुक्स, आवाज और एक्टिंग का मजाक उड़ाया गया। लगातार फ्लॉप फिल्मों के बाद वह एक्टिंग छोड़ने का सोचने लगे थे। धीरे-धीरे उन्होंने खुद को लवर बॉय इमेज से निकालकर फैमिली स्टार और फिर तमिल सिनेमा के बड़े मास सुपरस्टार के रूप में स्थापित किया। घिल्ली, थुप्पाक्की और सरकार जैसी फिल्मों में राजनीतिक और सामाजिक संदेशों ने उनकी अलग पहचान बनाई।

बहन की मौत ने बदल दिया स्वभाव

विजय की जिंदगी में बहन विद्या की मौत सबसे बड़ा भावनात्मक झटका मानी जाती है। परिवार के करीबी लोगों के मुताबिक, पहले विजय काफी शरारती थे, लेकिन बहन के निधन के बाद उनमें गंभीरता आ गई। इसी दौर में उनका फिल्मों और किताबों की तरफ झुकाव बढ़ा। कई फिल्म समीक्षकों का मानना है कि उनकी फिल्मों में दिखाई देने वाली इमोशनल डेप्थ उनके निजी संघर्षों से जुड़ी रही। इंडस्ट्री में शुरुआती रिजेक्शन और आलोचना के बावजूद विजय टूटे नहीं। उन्होंने डांस, स्क्रीन प्रेजेंस, बॉडी लैंग्वेज और डायलॉग डिलीवरी पर लगातार मेहनत की। यही मेहनत आगे चलकर उनकी पहचान बनी।

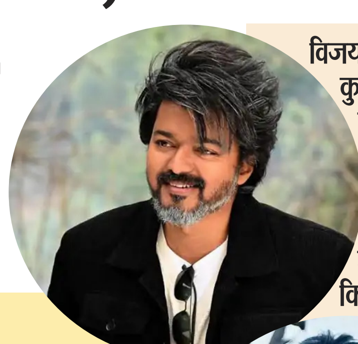

> विजय ने बतौर चाइल्ड आर्टिस्ट वेट्री, कुटुम्बम, नान सिगप्पु मनिथन, वसंत रागम, सत्तम ओरु विलयाट्टु और इधु एंगाल नीती जैसी फिल्मों में काम किया। इनमें से अधिकांश फिल्मों का निर्देशन उनके पिता एस.ए. चंद्रशेखर ने किया था। इसके बाद विजय ने 1992 में फिल्म 'नालैया थीरपु' से लीड एक्टर के रूप में करियर शुरू किया था।

इसी दौरान पिता एस.ए. चंद्रशेखर से राजनीतिक संगठन को लेकर विवाद भी चर्चा में रहा। बाद में विजय ने तमिलगा वेत्री कड़गम (TVK) लॉन्च की और अब वह तमिलनाडु के मुख्यमंत्री बन चुके हैं।

विजय ने शुरुआती पढ़ाई चेन्नई के फातिमा मैट्रिकुलेशन हायर सेकेंडरी स्कूल और बाललोक मैट्रिकुलेशन स्कूल से की थी। इसके बाद उन्होंने लोयोला कॉलेज में विजुअल कम्युनिकेशन कोर्स में एडमिशन लिया। लेकिन उसी दौरान फिल्मों में उनकी व्यस्तता बढ़ने लगी। उन्होंने महसूस किया कि उनका पूरा फोकस एक्टिंग पर जा रहा है। इसी वजह से उन्होंने कॉलेज की पढ़ाई बीच में छोड़ दी।

पेरेंट्स के साथ विजय की तस्वीर।

थलापति विजय का बचपन और पारिवारिक पृष्ठभूमि

साउथ सिनेमा के बड़े सितारों में गिने जाने वाले थलापति विजय का पूरा नाम जोसेफ विजय चंद्रशेखर है। उनका जन्म 22 जून 1974 को चेन्नई में हुआ था। वह ऐसे परिवार से आते हैं, जिसका फिल्म इंडस्ट्री से गहरा संबंध रहा है। उनके पिता एस.ए. चंद्रशेखर तमिल फिल्मों के जाने-माने निर्देशक रहे हैं, जबकि मां शोभा चंद्रशेखर सिंगर, राइटर और प्रोड्यूसर रही हैं। घर में फिल्मी माहौल होने की वजह से विजय बचपन से कैमरा और सिनेमा की दुनिया के करीब रहे। हालांकि उनका बचपन पूरी तरह ग्लैमर से भरा नहीं था। छोटी बहन विद्या का कम उम्र में निधन हो गया था। कई इंटरव्यूज और तमिल मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस घटना के बाद विजय काफी शांत और अंतर्मुखी हो गए थे। फैंस मानते हैं कि उन्होंने बहन की याद में कई निजी प्रोजेक्ट्स में विद्या नाम का इस्तेमाल किया।

कांस फिल्म फेस्टिवल की क्लोजिंग सेरेमनी के लिए बेटी आराध्या के साथ रवाना हुईं, एयरपोर्ट पर फैन ने रोका

ऐश्वर्या को आलिया ने नहीं किया रिप्लेस

मुंबई। बॉलीवुड एक्ट्रेस ऐश्वर्या राय हर साल की तरह इस साल भी कांस फिल्म फेस्टिवल का हिस्सा बन रही हैं। वो हर साल लोरियल की तरफ से पहुंचती थीं, लेकिन ओपनिंग सेरेमनी में आलिया के आने से हर किसी का मानना था कि ऐश्वर्या इस साल कांस से नदारद रहेंगी। हालांकि ऐश्वर्या कांस के लिए रवाना हो चुकी हैं। कांस फिल्म फेस्टिवल 12 मई से शुरू हुआ है, जो 23 मई को खत्म होगा।

मुंबई एयरपोर्ट से ऐश्वर्या राय का वीडियो सामने आया है। वो बेटी के साथ कांस के लिए निकलीं। उन्होंने ऑल ब्लैक आउटफिट पहना हुआ था। वहीं आराध्या ने भी मां से ट्विनिंग की थी।

एयरपोर्ट में ऐश्वर्या एंटर कर ही रही थीं, जब एक यंग फैन ने उन्हें फोटो के लिए रोक लिया। वो लड़का पीछे की तरफ देख रहा था, तो ऐश्वर्या ने खुद उसे आगे देखने के लिए कहा, लेकिन इसके बाद उल्टा फैन ने ही ऐश्वर्या को टोककर कहा कि उसका कैमरा पीछे ही है। इसके बाद ऐश्वर्या राय ने पीछे की तरफ ही पोज कर फैन के साथ तस्वीर क्लिक करवाई। इस दौरान एक्ट्रेस की सिक्योरिटी टीम उस लड़के को पीछे करती दिखी। हर साल दुनियाभर के चुनिंदा लोगों को ज्यूरी में शामिल किया जाता है। मृणाल सेन पहले भारतीय थे, जिन्हें 1982 में ज्यूरी में शामिल किया गया था। इसके अलावा ज्यूरी बनने वाली पहली भारतीय महिला डायरेक्टर मीरा नायर थीं। ऐश्वर्या राय पहली इंडियन एक्ट्रेस हैं, जिन्हें कांस में ज्यूरी बनाया गया। हालांकि अब दीपिका पादुकोण, विद्या बालन और शर्मिला टैगोर भी इस लिस्ट में शामिल हैं।

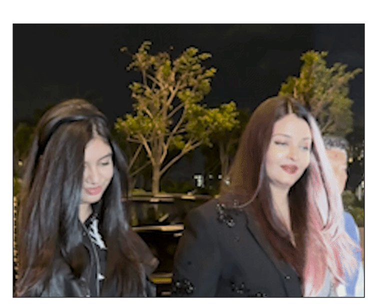

बीते साल चर्चा में रहा कांस से ऐश्वर्या का लुक

ऐश्वर्या राय ने साल 2002 में कांस में डेब्यू किया था। इसके बाद से ही वो लगातार कांस में मौजूद रहती हैं। बीते साल ऐश्वर्या ने मनीष मल्होत्रा द्वारा डिजाइन की गई सफेद-गोल्डन साड़ी पहनी थी। रेड डायमंड जूलरी और सिंदूर के साथ ऐश्वर्या बेहद खूबसूरत दिखीं। उनका ट्रेडिशनल लुक काफी चर्चा में रहा था। कांस के दूसरे लुक में ऐश्वर्या राय ने गौरव गुप्ता के कलेक्शन की ब्लैक सिक्वल गाउन के साथ ट्रेल कैरी की थी। खुले बालों और मिनिमल जूलरी में एक्ट्रेस बेहद ग्लैमरस लगी थीं।

अमेरिका डील चाहता है, इजराइल बोला- हमला नहीं रुकना चाहिए, ऐसा किया तो गलती होगी

ईरान जंग पर ट्रम्प-नेतन्याहू में टकराव

मतभेद

तेल अवीव, एजेंसी

ईरान युद्ध को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प और इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के बीच मतभेद खुलकर सामने आ गए हैं। CNN की रिपोर्ट के मुताबिक, नेतन्याहू चाहते हैं कि ईरान पर हमले जारी रहें, जबकि ट्रम्प फिलहाल बातचीत और डील को मौका देना चाहते हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, मंगलवार को दोनों नेताओं के बीच करीब एक घंटे तक फोन पर बातचीत हुई। अमेरिकी अधिकारी ने बताया कि नेतन्याहू ने ट्रम्प से कहा कि ईरान पर प्रस्तावित हमले रोकना गलती है और सैन्य कार्रवाई जारी रहनी चाहिए।

CNN के मुताबिक, ट्रम्प ने रविवार को नेतन्याहू को बताया था कि अमेरिका ईरान पर नए टारगेटेड हमले की तैयारी कर रहा है।

इस ऑपरेशन को 'ऑपरेशन स्लेजहैमर' नाम दिया जाना था। लेकिन करीब 24 घंटे बाद ट्रम्प ने घोषणा कर दी कि मंगलवार के लिए तय हमलों को फिलहाल रोक दिया गया है। ट्रम्प ने कहा कि कतर, सऊदी अरब और UAE जैसे खाड़ी देशों की अपील पर यह फैसला लिया गया।

अमेरिकी सीनेट में ट्रम्प की सैन्य शक्तियों को सीमित करने वाला प्रस्ताव 50-47 से पास हुआ। 4 रिपब्लिकन सांसदों ने भी ट्रम्प के खिलाफ वोट दिया। अगर कानून बना तो ईरान के खिलाफ जंग जारी रखने के लिए ट्रम्प को कांग्रेस की मंजूरी लेनी होगी। US कोस्टगार्ड एकेडमी में ट्रम्प ने दावा किया कि ईरान की नौसेना और वायुसेना लगभग खत्म हो चुकी है। उन्होंने कहा कि अब सवाल सिर्फ यह है कि अमेरिका आगे पूरी कार्रवाई करेगा या ईरान समझौता करेगा।

> - ट्रम्प ने कहा है कि अमेरिका ईरान को परमाणु हथियार बनाने नहीं देगा। व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बात करते हुए ट्रम्प ने कहा कि ईरान के पास जो एनरिच्ड यूरेनियम है, उसे अमेरिका अपने कंट्रोल में ले लेगा।
> - उन्होंने कहा, हम उसे ईरान के पास नहीं रहने देंगे। जरूरत पड़ी तो अमेरिका बड़ा कदम उठाने से पीछे नहीं हटेगा।

ट्रम्प बोले- होर्मुज अंतरराष्ट्रीय रास्ता, यहां टोल मंजूर नहीं

ट्रम्प ने कहा है कि होर्मुज पर किसी तरह का टोल नहीं लगनी चाहिए। यह एक अंतर-राष्ट्रीय समुद्री रास्ता है और इसे सभी के लिए खुला रहना चाहिए। व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बातचीत के दौरान ट्रम्प ने कहा कि अमेरिका इस मामले पर नजर बनाए हुए है। अमेरिका की नाकेबंदी पूरी तरह असरदार रही है। ट्रम्प ने कहा, हम होर्मुज को फ्री देखना चाहते हैं। हम टोल नहीं चाहते। यह एक अंतरराष्ट्रीय सी रूट है। हालांकि इससे पहले ईरान की IRGC नौसेना ने दावा किया था कि पिछले 24 घंटों में 31 जहाज होर्मुज से गुजरे और उनकी आवाजाही ईरान की निगरानी में हुई।

ईरान जंग की वजह से मेक्सिको ने ब्याज दरें घटाई

मेक्सिको के केंद्रीय बैंक ने ब्याज दरों में कटौती की है। यह फैसला ऐसे समय में लिया गया है जब अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच तनाव के कारण ग्लोबल मार्केट में अनिश्चितता बढ़ी हुई है।

बैंक ऑफ मेक्सिको की बैठक के रिकॉर्ड के मुताबिक यह फैसला 3-2 की वोटिंग से लिया गया। अधिकारियों ने कहा कि युद्ध की वजह से महंगाई बढ़ने का खतरा बना हुआ है। केंद्रीय बैंक के सभी सदस्यों ने माना कि इस संघर्ष का असर तेल और दूसरी चीजों की कीमतों पर पड़ सकता है। हालांकि ज्यादातर अधिकारियों का कहना है कि फिलहाल मेक्सिको पर इसका सीधा असर सीमित है।

ट्रम्प ईरान युद्ध को लेकर नाटो से नाराज

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा है कि ईरान युद्ध के दौरान NATO देशों के रवैये से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प काफी निराश हैं। रुबियो ने खास तौर पर स्पेन का जिक्र करते हुए कहा कि उसने अमेरिका को अपने सैन्य ठिकानों का इस्तेमाल करने की इजाजत नहीं दी। उन्होंने कहा कि अमेरिका NATO का हिस्सा इसलिए है ताकि जरूरत पड़ने पर वह यूरोप और मिडिल ईस्ट जैसे इलाकों में अपने सैन्य ठिकानों का इस्तेमाल कर सके।

रुबियो ने सवाल उठाते हुए कहा, अगर कोई देश अमेरिका को अपने बेस इस्तेमाल नहीं करने देता, तो फिर वह NATO में क्यों है?

उन्होंने कहा कि ट्रम्प NATO देशों के सहयोग से खुश नहीं हैं और अमेरिका इस मुद्दे को गंभीरता से देख रहा है।

फास्ट न्यूज

हर बार लंबा सोच-विचार नहीं होता सही

नई दिल्ली। आमतौर पर यह धारणा रही है कि जो लोग किसी फैसले पर लंबे समय तक सोचते हैं, उनसे गलतियां होने की संभावना कम रहती है। माना जाता है कि ज्यादा सोच-विचार इंसान को बेहतर निर्णय लेने में मदद करता है। लेकिन अब एक नई रिसर्च ने इस सोच को ही पलट दिया है। अध्ययन में सामने आया है कि कई मुश्किल परिस्थितियों में जल्दी लिया गया फैसला ज्यादा सटीक और असरदार साबित हो सकता है, जबकि जरूरत से ज्यादा सोचने वाला व्यक्ति कई बार उलझकर गलत निर्णय ले बैठता है।

रूस-बेलारूस का परमाणु युद्धाभ्यास पूरा

नई दिल्ली। यूक्रेन युद्ध और उसके चलते सैन्य संगठन नाटो से बढ़े तनाव के बीच रूस और बेलारूस ने तीन दिवसीय परमाणु हथियार चलाने का अभ्यास गुरुवार को पूरा कर लिया। इस अभ्यास में 64 हजार सैन्यकर्मियों ने हिस्सा लिया। उन्होंने 7,800 हथियारों-उपकरणों के साथ यह अभ्यास पूरा किया। इस अभ्यास के बाद रूस ने परमाणु हथियारों को सीमाओं पर तैनात करने के निर्देश दिए हैं। परमाणु हथियारों की नई तैनाती रूस और बेलारूस, दोनों देशों में होगी। इस अभ्यास को देख रहे राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा है कि रूस किसी भी युद्ध में आखिरी विकल्प के रूप में परमाणु हथियार का इस्तेमाल करेगा।

चंद्रयान-3 का दुनिया में डंका

वाशिंगटन डीसी । भारत के ऐतिहासिक चंद्र मिशन चंद्रयान को एक और बड़ी अंतरराष्ट्रीय उपलब्धि हासिल हुई है। अमेरिकन इंस्टीट्यूट ऑफ एरोनॉटिक्स एंड एस्ट्रोनॉटिक्स ने चंद्रयान-3 मिशन को वर्ष 2026 के प्रतिष्ठित 'गोडार्ड एस्ट्रोनॉटिक्स अवॉर्ड' से सम्मानित किया है। यह सम्मान 21 मई को वॉशिंगटन डीसी में आयोजित कार्यक्रम के दौरान दिया गया।

पेट्रोल-डीजल पर वीएटी घटा सकते हैं राज्य

तेलंगाना में सबसे ज्यादा वसूलता है टैक्स

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्र सरकार राज्यों के साथ मिलकर पेट्रोल-डीजल सस्ता करने की तैयारी कर रही है। केंद्र सरकार जल्द ही राज्यों से पेट्रोल और डीजल पर वैल्यू एडेड टैक्स (VAT) कम करने की अपील कर सकती है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, भाजपा शासित 22 राज्यों में वैट में कटौती की पूरी संभावना है। डीजल की कीमतों को नियंत्रित करना प्राथमिकता है, क्योंकि इसका सीधा असर परिवहन, खेती और उद्योग जगत पर पड़ता है। अमेरिका-इजराइल और ईरान के बीच फिर से तनाव बढ़ने के कारण कच्चे तेल की बढ़ रही हैं। शुक्रवार को ब्रेंट क्रूड करीब 1.9% बढ़कर $104.52 प्रति बैरल पर पहुंच गया है। ऐसे में बढ़ती महंगाई से लोगों को राहत देने के लिए केंद्र सरकार ने पिछले महीने

ही पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज ड्यूटी घटाई थी। हालांकि, इसके बाद पेट्रोल-डीजल की कीमत में 3.90 रुपए की बढ़ोतरी की गई थी। ईरान युद्ध के चलते कच्चे तेल की सप्लाई और कीमतों पर पड़ने वाले असर को लेकर हाल ही में सचिवों के एक अधिकार प्राप्त ग्रुप की बैठक हुई। इस बैठक में चर्चा की गई कि महंगे कच्चे तेल के बोझ को कम करने के लिए वैट में कटौती जरूरी है। केंद्र सरकार ने पिछले महीने ही डीजल पर एक्साइज ड्यूटी 10 प्रति लीटर घटाकर शून्य कर दी थी, जबकि पेट्रोल पर 3 की कटौती की गई थी।

होंडुरास के तटीय क्षेत्रों में दो बड़े हमले

6 पुलिसकर्मियों सहित 25 की मौत

नई दिल्ली, एजेंसी

गुरुवार को होंडुरास के तट पर दो अलग-अलग हमलों में बंदूकधा-रियों ने अंधाधुंध गोलीबारी की, जिसमें कम से कम 25 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में छह पुलिस अधिकारी भी शामिल हैं।

पहला हमला उत्तरी होंडुरास के ट्रूजिलो नगर पालिका के एक बागान में हुआ। लोक अभियोजक कार्यालय के प्रवक्ता यूरी मोरा के अनुसार, यहां कम से कम 19 मजदूरों को गोली मार दी गई जिससे उनकी मौत हो गई। प्राकृतिक संसाधनों से समृद्ध यह क्षेत्र दशकों से कृषि भूमि विवादों का केंद्र रहा है।

इंटर-अमेरिकन कमीशन ऑन ह्यूमन राइट्स ने इससे पहले क्षेत्र के कुछ कार्यकर्ताओं के लिए एहतियाती उपाय जारी किए थे। इन कार्यकर्ताओं को पर्यावरण और भूमि अधिकारों की रक्षा करने के उनके काम के कारण धमकियां मिली थीं, उनकी जासूसी की गई थी और उन्हें डराया-धमकाया गया था। 2024 में पर्यावरण नेता जुआन लोपेज की हत्या ने होंडुरास के इस अत्यधिक सैन्यीकृत क्षेत्र में प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा करने के खतरों को उजागर किया था। विश्व बैंक के अनुसार, होंडुरास लंबे समय से गिरोहों और अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थों के व्यापार से जुड़े उच्च अपराध दर से जूझता रहा है।

> राष्ट्रीय पुलिस प्रवक्ता एडगार्डो बारहोना ने गुरुवार को कहा कि ट्रूजिलो में मरने वालों की सही संख्या का पता लगाना इसलिए भी मुश्किल हो रहा है क्योंकि कुछ पीड़ितों के रिश्तेदार अपने प्रियजनों के शवों को वहां से ले गए हैं। उन्होंने कहा कि जांचकर्ताओं को घटनास्थल पर भेज दिया गया है।

ओमोआ में पुलिस टीम पर घात लगाकर हमला

पुलिस ने बताया कि दूसरे हमले में, हमलावरों ने ग्वाटेमाला सीमा के पास कोर्टेस विभाग के ओमोआ नगर पालिका में पुलिस टीम पर गोलीबारी की। इस हमले में एक वरिष्ठ अधिकारी सहित छह पुलिसक-र्मियों की मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, ये अधिकारी एक एंटी-गैंग मिशन पर तैनात थे और राजधानी तेगुसिगाल्पा से ओमोआ की यात्रा करते समय उन पर यह जानलेवा हमला किया गया।

एनसीईआरटी विवाद पर सुप्रीम कोर्ट से 3 शिक्षाविदों को दी राहत

गैर-सरकारी संगठन ग्लोबल विटनेस के अनुसार, मध्य अमेरिकी देश होंडुरास लगातार पर्यावरणविदों के लिए सबसे खतरनाक देशों में से एक माना जाता है। यहां 2024 में पांच और उससे एक साल पहले 18 पर्यावरणविदों की हत्या कर दी गई थी। हाल ही में लोपेज़ की हत्या की साजिश रचने के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जो उच्च दंडमुक्ति दर वाले इस देश में न्याय की एक दुर्लभ झलक पेश करता है।

मानवाधिकारों को लेकर चिंता

सुरक्षा मंत्रालय ने बताया कि राष्ट्रीय पुलिस और सशस्त्र बल दोनों हमलावर क्षेत्रों में मोर्चा संभालेंगे। इसके साथ ही, मामले की जांच के लिए फॉरेंसिक विशेषज्ञों और अभियोजकों की टीमें भी गठित की जाएंगी।

एसबीआई आज से 6-दिन बंद

23 से 28 मई तक नहीं होगा कामकाज, वजह- वीकेंड, हड़ताल और बकरीद की छुट्टी

मांग

नई दिल्ली, एजेंसी

देश के सबसे बड़े सरकारी बैंक SBI के ग्राहकों को ब्रांच से जुड़े अपने सभी जरूरी काम आज (22 मई, शुक्रवार) ही निपटा लेना चाहिए। ऐसा इसलिए, क्योंकि 23 मई से 28 मई 2026 के बीच SBI की ब्रांच लगातार 6 दिनों तक बंद रह सकती हैं।

इसकी मुख्य वजह वीकेंड, कर्मचारियों की प्रस्तावित दो दिन की हड़ताल और रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (RBI) से बकरीद (ईद-उल-अजहा) के लिए घोषित दो दिन की छुट्टियां हैं।

23 मई से 28 मई के बीच बैंकों में कामकाज प्रभावित होने के अलग-अलग कारण हैं

वीकेंड की छुट्टियां: 23 मई को महीने का चौथा शनिवार है और 24 मई को रविवार है। नियम के मुताबिक, देश के सभी बैंकों में हर महीने के दूसरे और चौथे शनिवार को छुट्टी रहती है, जिसके कारण इन दो दिनों में बैंक बंद रहेंगे।

SBI स्टाफ की हड़ताल: ऑल इंडिया स्टेट बैंक ऑफ इंडिया स्टाफ फेडरेशन ने अपनी कई मांगों को लेकर 25 और 26 मई (सोमवार और मंगलवार) को देशभर में दो दिन की हड़ताल का प्रस्ताव दिया है। इससे बैंकों के कामकाज पर सीधा असर पड़ सकता है।

> - ऑल इंडिया स्टेट बैंक ऑफ इंडिया स्टाफ फे-डरेशन ने अपनी 16 मांगों को लिए हड़ताल का ऐलान किया है। यह हड़ताल कर्मचारियों के अधिकारों की रक्षा, काम करने की बेहतर स्थिति तय करने और ग्राहकों के हितों को ध्यान में रखते हुए बुलाई गई है।

बकरीद की छुट्टी: भारत के अलग-अलग राज्यों में बकरीद का त्योहार अलग-अलग दिन मनाया जाएगा, जिसके लिए RBI ने दो दिन की छुट्टियां तय की हैं। देश के अधिकांश हिस्सों में 27 मई को बकरीद के कारण SBI बंद रहेगा, जबकि कुछ हिस्सों में 28 मई को छुट्टी रहेगी। वहीं जम्मू-कश्मीर केंद्र शासित प्रदेश में 27 और 28 मई दोनों दिन बैंक बंद रहेंगे।

क्यों हड़ताल पर जाना चाहते हैं SBI कर्मचारी

चूंकि यह हड़ताल 'वर्कमेन कैटेगरी' (क्लर्क और अन्य स्टाफ) की है, इसलिए चेक क्लियरिंग, कैश काउंटर और पासबुक अपडेट जैसे काम ठप रह सकते हैं।

एवरेस्ट फतह कर लौटते समय दो भारतीय पर्वतारोहियों की मौत

नई दिल्ली, एजेंसी

नेपाल के काठमांडु से दुखद खबर सामने आ रही है, जहां दुनिया की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट फतह करने के बाद नीचे उतरते समय दो भारतीय पर्वतारोहियों की मौत हो गई। समाचार एजेंसी पीटीआई की रिपोर्ट के अनुसार, यह जानकारी एक अधिकारी ने दी।

तक भारतीय पर्वतारोहियों की पहचान अरुण कुमार तिवारी और संदीप अरे के रूप में हुई है। मौत की वजह थकान बताई जा रही है।

नेपाल के एक्सपीडिशन ऑपरेटर्स एसोसिएशन के महासचिव ऋषि भंडारी ने बताया कि भारतीय पर्वतारोही अरुण कुमार तिवारी और संदीप अरे चोटी से नीचे उतरते समय बहुत थक गए थे और उनके गाइडों की तमाम कोशिशों के बावजूद उन्हें बचाया नहीं जा सका।

भंडारी ने PTI को बताया कि ऐसा

लगता है कि अरे ने बुधवार को और तिवारी ने गुरुवार को शाम करीब 5.30 बजे चोटी फतह की थी। उन्होंने कहा कि गाइडों ने बहुत कड़ी मेहनत की लेकिन वे उन्हें बचा नहीं पाए। संदीप अरे की मौत गुरुवार को हुई, लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि अरुण कुमार तिवारी की मौत कब हुई। बता दें कि बुधवार को संदीप और अरुण सहित तीन भारतीय उन 274 पर्वतारोहियों के समूह का हिस्सा थे, जिन्होंने 8,848.86 मीटर ऊंची चोटी फतह की। यह एक ही दिन में सबसे ज्यादा बार चोटी पर चढ़ने का एक नया रिकॉर्ड था। अन्य दो पर्वतारोही तुलसी रेड्डी पालपुनूरी और अजय पाल सिंह धालीवाल थे। अगले दिन, गुरुवार को, भारत की लक्ष्मीकांता मंडल भी दुनिया की सबसे ऊंची चोटी पर पहुंचीं।

बयान : अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने गुरुवार को भारत को बेहतरीन साझीदार बताया

भारत हमारा बेहतरीन दोस्त, जितना तेल चाहिए हम देने को तैयार : मार्को

नई दिल्ली, एजेंसी

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने गुरुवार को भारत को बेहतरीन साझीदार बताया और कहा कि भारत जितना ईंधन खरीदना चाहता है, अमेरिका बेचने को तैयार है। अपनी पहली भारत यात्रा के बारे में उन्होंने कहा कि यह यात्रा इसलिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि इससे उन्हें क्वाड देशों के मंत्रियों से मिलने का मौका मिलेगा। ईरान के मुद्दे पर रुबियो ने स्पष्ट किया कि रणनीतिक रूप से बेहद महत्वपूर्ण होर्मुज जलडमरू-मध्य पर नियंत्रण करने या उसकी पहुंच के जरिए पैसे कमाने की तेहरान की किसी भी कोशिश को

वाशिंगटन बर्दाश्त नहीं करेगा। यह चेतावनी उन रिपोर्ट्स के बीच आई है जिनमें कहा गया है कि ईरान होर्मुज जलडमरू-मध्य से गुजरने वाले जहाजों के लिए ओमान के साथ एक स्थायी टोल व्यवस्था पर चर्चा कर रहा है। रुबियो ने इस कदम को वैश्विक व्यापार और नौपरिवहन की स्वतंत्रता के लिए सीधा खतरा करार दिया। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का लगभग आधा हिस्सा और अपना अधिकांश तेल आयात करता है।

> रूबियो 23-26 मई तक भारत में रहेंगे और कोलकाता, आगरा, जयपुर व नई दिल्ली का दौरा करेंगे। उन्होंने कहा, "वे (भारत) हमारे बेहतरीन सहयोगी और साझीदार हैं। हम उनके साथ मिलकर बहुत अच्छा काम कर रहे हैं। इसलिए यह महत्वपूर्ण यात्रा है।

क्वाड देशों के प्रतिनिधियों से भी मिलेंगे रूबियो

मुझे लगता है कि हमारे पास बातचीत करने के लिए बहुत सारे मुद्दे होंगे। हम वहां क्वाड देशों के प्रतिनिधियों से भी मिलेंगे, जो बहुत महत्वपूर्ण है। इस वर्ष के आखिर में भी हम एक और क्वाड बैठक करेंगे। रूबियो ने बताया कि वेनेजुएला की कार्यवाहक राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिगेज भी अगले हफ्ते भारत आने वाली हैं और इस दौरान नई दिल्ली के साथ मिलकर काम करने के कई अवसर उपलब्ध होंगे।

वेनेजुएला के तेल पर नजर और भारत का रुख

रुबियो की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब अमेरिकी रिफाइनरियों में वेनेजुएला के भारी कच्चे तेल (हेवी क्रूड ऑयल) की आवक में भारी वृद्धि देखी गई है। फरवरी में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था कि अमेरिका को वेनेजुएला से 80 मिलियन बैरल से ज्यादा तेल मिला है।

रुबियो ने यह भी घोषणा की कि वेनेजुएला की अंतरिम राष्ट्रपति डेल्सी रोड्रिग्ज तेल बेचने पर चर्चा करने के लिए अगले सप्ताह भारत की यात्रा करेंगी। उन्होंने कहा, ररहमें यह भी लगता है कि वेनेजुएला के तेल को लेकर भी कई अवसर हैं। मेरी जानकारी के मुताबिक, वेनेजुएला की अंतरिम राष्ट्रपति भी अगले हफ्ते भारत की यात्रा पर होंगी।

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया में 8% हिस्सेदारी बेचेगी सरकार

ऑफर फॉर सेल के जरिए 2,455 करोड़ जुटाएगी

मुंबई, एजेंसी

सरकार ने सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया में ऑफर फॉर सेल (OFS) के जरिए अपनी 8% हिस्सेदारी बेचने का फैसला किया। इस OFS के लिए सरकार ने फ्लोर प्राइस 31 प्रति शेयर तय किया है, जो बैंक के गुरुवार के क्लोजिंग प्राइस 33.94 से 8.5% से ज्यादा के डिस्काउंट पर है। इस फैसले के बाद आज यानी शुक्रवार 22 मई को बाजार में सेंट्रल बैंक के शेयर में 5% से ज्यादा की गिरावट है। ये 32 रुपए के करीब ट्रेड कर रहा है। एक महीने में ये 13% से ज्यादा टूटा है।

डिपार्टमेंट ऑफ इन्वेस्टमेंट एंड पब्लिक एसेट मैनेजमेंट की ओर से जारी नोटिस के मुताबिक, यह OFS नॉन-रिटेल निवेशकों के लिए 22 मई 2026 को खुलेगा।

वहीं, रिटेल निवेशक और बैंक के कर्मचारी इस इश्यू के लिए 25 मई 2026 को अपनी बोली लगा सकेंगे।

दोनों ही दिन ट्रेडिंग के दौरान सुबह 9:15 बजे से दोपहर 3:30 बजे तक बोली लगाई जा सकती है। वर्तमान में सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया में सरकार की हिस्सेदारी 89.27% है। सरकार की यह हिस्सेदारी बिक्री सरकार की विनिवेश और पब्लिक शेयरहोल्डिंग नियमों के अनुपालन की रणनीति का हिस्सा है। ऑफर डॉक्यूमेंट के अनुसार, नॉन-रिटेल निवेशकों के लिए रिजर्व रखे गए शेयरों में से कम से कम 25% हिस्सा म्यूचुअल फंड और इंश्योरेंस कंपनियों को अलॉट किया जाएगा। हालांकि, इसके लिए जरूरी है कि उनकी बोलियां फ्लोर प्राइस या उससे ऊपर की कीमत पर मिलें।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड- 224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।

मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96